प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 157 | दिनांक : सोमवार, 08 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सुविचार

परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, सकारात्मक सोच और मजबूत इरादे हर मुश्किल को आसान बना सकते हैं।

कप्तानी के लिए मुझे व्यक्तित्व बदलने की जरूरत नहीं, कैप्टन बनने के बाद श्रेयस अय्यर का पहला रिएक्शन ... » पृष्ठ 7 पर

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक

भारत आने का बहाना ढूंढता रहूंगा : सुगियोनो

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

07 जून (एएम नाथ)

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से रविवार को नई दिल्ली में भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग (जॉइंट कमीशन) की 8वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो ने की। इस दौरान इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने भारत की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यहां हमेशा विशेष सम्मान और अपनापन महसूस होता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं कुछ सप्ताह पहले भी नई दिल्ली आया था और आगे भी भारत आने का कोई न कोई बहाना ढूंढता रहूंगा। उनके इस बयान ने बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल को और मजबूत किया। बैठक के उद्घाटन सत्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि चार वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित हो रही यह संयुक्त आयोग बैठक दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2025 में भारत और इंडोनेशिया ने अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। साथ ही उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा और 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में उनकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा मिली है। जयशंकर ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग के अनेक क्षेत्र मौजूद हैं। उन्होंने रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। इंडोनेशियाई विदेश मंत्री सुगियोनो ने कहा कि 2022 के बाद आयोजित यह बैठक दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई चर्चाओं के परिणामों को आगे बढ़ाने में यह बैठक अहम भूमिका निभाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संयुक्त आयोग तंत्र की स्थापना वर्ष 2001 में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत की गई थी। इससे पहले सातवीं संयुक्त आयोग बैठक जून 2022 में नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। दोनों देशों ने इस बार भी रणनीतिक साझेदारी को ठोस परिणामों में बदलने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

07 जून (एएम नाथ)

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो के साथ 5वीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री, व्यापार और निवेश, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष, शिक्षा, कांसुलर और सांस्कृतिक क्षेत्रों तथा लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मंत्रियों ने इस बात पर गौर किया कि राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बातचीत ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की है।

विदेश मंत्रियों ने की व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा

दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रेय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान प्रदान किया और क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर करीबी सहयोग और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों के बढ़ते और सकारात्मक रुझान का स्वागत किया और निकट भविष्य में आपसी सुविधा के अनुसार अगली संयुक्त आयोग बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक प्रमुख स्तंभ है।

गहरे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित, भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी सहयोग के स्थापित और नए क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रही है।

संक्षिप्त न्यूज

जम्मू कश्मीर में आंतकियों के सर्च ऑपरेशन में लेफ्टिनेंट शहीद, राजौरी में खाई में गिर गए थे

श्रीनगर (ब्यूरो)- जम्मू-कश्मीर में बीते 16 दिन से जारी आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन शेरुवाली में आर्मी के एक युवा अफसर की दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार शाम जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आर्मी के युवा अफसर लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी शहीद हो गए। वे एक खड़ी पहाड़ी चोटी से फिसलकर गहरी खाई में गिर गए थे। GOC व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बीरेश्वर गोस्वामी की मौत पर दुख जताया है। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी ऑपरेशन शेरुवाली की टीम में शामिल थे। यह एक लगातार चलने वाला खोजो और खत्म करो (सर्च-एंड-डिस्ट्रॉय) मिशन है, जो आज 16वें दिन में प्रवेश कर गया है।

खड़ी चट्टान और उबड़-खाबड़ इलाकों में चल रहा सर्च ऑपरेशन : GOC व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि ऊबड़-खाबड़ इलाके, खड़ी चट्टानों और खराब मौसम वाली जगह पर ऑपरेशनल ड्यूटी करते हुए लेफ्टिनेंट गोस्वामी ने सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट निष्ठा, अदम्य साहस और देश के लिए निस्वार्थ सेवा सभी सैनिकों के लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी।

हौसलों की उड़ान : बीमारी में खोया हाथ तो मुंह से पकड़ी कलम, 10वीं बोर्ड में हासिल किए 93.8% अंक

महगामा (गोड्डा) (ब्यूरो)- सेरेब्रल पाल्सी जैसी गंभीर शारीरिक चुनौती को पार करते हुए झारखंड एकेडमिक काउंसिल की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र मो फैजान उल्लाह से झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास सह पंचायती राज विभाग मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री ने फैजान की उपलब्धि, संघर्ष और अटूट आत्मविश्वास की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंत्री ने कहा कि सफलता का आधार केवल शारीरिक क्षमता नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम होता है। फैजान ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानते हुए यह साबित कर दिया है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

उन्होंने बताया कि जब हाथों ने साथ देना बंद कर दिया, तब फैजान ने अपने मुंह को ही कलम बनाकर पढ़ाई जारी रखी और दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर एक मिसाल कायम की। उनका संघर्ष और उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणादायक है।

सरकार करेगी मदद

मंत्री ने कहा कि मो. फैजान उल्लाह की सफलता केवल गोड्डा या झारखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विश्वास जताया कि फैजान अपनी प्रतिभा, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर भविष्य में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

इस अवसर पर मंत्री ने फैजान को आश्वस्त किया कि उनकी शिक्षा और उच्च अध्ययन के मार्ग में आर्थिक संसाधनों की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। सरकार और समाज की ओर से उन्हें हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

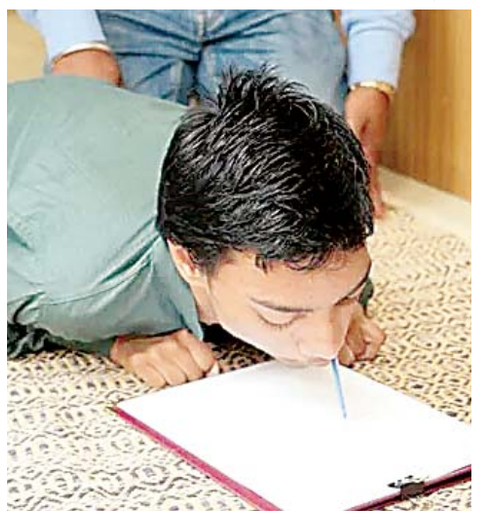

हिमाचल में सरकारी भूमि कब्जों को नियमित करने की नीति को मंजूरी

भूमिहीन परिवारों और छोटे किसानों की मानवीय समस्याओं का समाधान

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण जनहितकारी फैसलों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने 'सरकारी भूमि पर कुछ कब्जों को नियमित करने की नीति, 2026' को स्वीकृति प्रदान की, जबकि हिमकेयर योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा कवर को बढ़ाकर 7 लाख रुपये और 10 लाख रुपये करने का भी निर्णय लिया गया।

उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई इस नीति का उद्देश्य सरकारी भूमि पर कब्जा रखने वाले भूमिहीन परिवारों और छोटे किसानों की मानवीय समस्याओं का समाधान करना है। राज्य

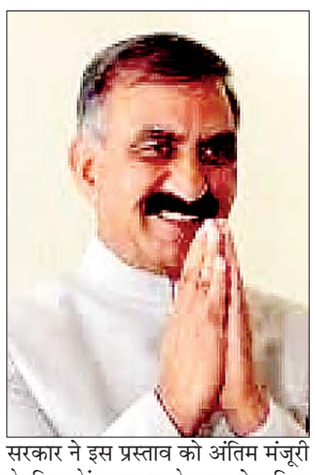

सरकार ने इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेज दिया है। कैबिनेट ने राहत के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में दया के आधार पर नियुक्ति से जुड़े उन मामलों की दोबारा समीक्षा करने का निर्णय लिया है, जिन्हें पहले विभिन्न विभागों द्वारा खारिज कर दिया गया था। एकमुश्त पहल के तहत वास्तविक मामलों की पुन: जांच की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी।

किसानों को राहत देने के लिए मंत्रिमंडल ने 'कृषि ऋण ब्याज सब्सिडी योजना' शुरू करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत राज्य सरकार 3 लाख रुपये तक के पात्र कृषि ऋणों पर ब्याज का 50 प्रतिशत वहन करेगी। इस कदम से प्रदेश के लगभग 6,356 किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनकी भूमि ऋण के बोझ के कारण नीलामी के खतरे का सामना कर रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए कैबिनेट ने हिमकेयर स्कीम को बीमा-आधारित मॉडल में परिवर्तित करने तथा स्वास्थ्य बीमा कवरेज को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख और 10 लाख रुपये तक करने को मंजूरी दी। इससे पात्र लाभार्थियों को गंभीर बीमारियों के उपचार में अधिक वित्तीय सुरक्षा मिलेगी।

इसके अलावा, राज्य में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए नई राज्य नवाचार नीति को भी मंजूरी दी गई। इस नीति के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026-28 के दौरान 2 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

कैबिनेट के इन फैसलों को भूमि, कृषि, स्वास्थ्य, रोजगार और नवाचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यापक राहत और विकास को बढ़ावा देने वाला कदम माना जा रहा है।

भारतीय सेना की मारक क्षमता और बढ़ाने की तैयारी

मॉर्टार स्पेशलिस्ट व्हीकल बना देगी बाहुबली

नई दिल्ली (ब्यूरो)- भारतीय सेना अपनी फायर सपोर्ट क्षमता को और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। सेना ने देश की रक्षा कंपनियों से एक नए मॉर्टार स्पेशलिस्ट व्हीकल (MSV) के लिए जानकारी मांगी है। यह वाहन पहियों पर आधारित होगा और मॉर्टार सिस्टम को अधिक सटीक, तेज और प्रभावी बनाने में मदद करेगा। इसका मकसद युद्धक्षेत्र में सैनिकों की गतिशीलता बढ़ाने के साथ-साथ निशाने की सटीकता में सुधार करना है। मॉर्टार सेना के सबसे अहम अप्रत्यक्ष हथियारों में से एक है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के ठिकानों पर दूर से गोलाबारी करने के लिए किया जाता है।

अभी अधिकांश मॉर्टार सिस्टम मैन्युअल तरीके से संचालित होते हैं। इसमें फायरिंग के लिए आवश्यक गणनाएं सैनिकों को खुद करनी पड़ती हैं। इससे समय लगता है और गलती की संभावना भी बनी रहती है। सेना का मानना है कि नई तकनीक से लैस वाहन इन कमियों को दूर कर सकता है। प्रस्तावित वाहन में एक बैलिस्टिक कंप्यूटर लगाया जाएगा। अग्रिम मोर्चे पर तैनात पर्यवेक्षक और फायर कंट्रोलर लक्ष्य की जानकारी वाहन तक पहुंचाएंगे। इसके बाद कंप्यूटर स्वत: ही फायरिंग के लिए जरूरी कोण और दिशा की गणना करेगा। इससे निशाने पर पहले ही गोले में सटीक वार करने की संभावना बढ़ जाएगी। सेना का कहना है कि इससे गोला-बारूद की बचत भी होगी और प्रतिक्रिया समय भी कम होगा। इससे मानवीय गलतियां भी कम होगी।

औद्योगिक रणनीति को नई दिशा दे रहे डॉ अमित अग्रवाल

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

07 जून (एएम नाथ)

हरियाणा में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने और निवेशकों के लिए भरोसेमंद माहौल तैयार करने में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कोर टीम के अफसरों की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है। इनमें उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के कमिश्नर एवं सचिव डॉ अमित कुमार अग्रवाल का नाम सबसे प्रमुखता से उभरकर सामने आया है।

अपनी परिणामोन्मुख कार्यशैली, सटीक प्रशासनिक दक्षता और दूरदर्शी सोच के दम पर डॉ अमित अग्रवाल ने प्रदेश की औद्योगिक रणनीति को पूरी तरह नई दिशा दी है। पिछले लगभग एक वर्ष से उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की कमान संभाल रहे डॉ अग्रवाल ने सबसे पहले निवेश प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाया। उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम को और मजबूत किया, जिससे फाइलें महीनों की जगह दिनों में क्लियर होने लगीं।

पहले ही दिन 1.10 लाख करोड़ के एमओयू

इतना ही नहीं, डॉ अग्रवाल ने उद्योग जगत के दिग्गजों से लगातार संवाद कर उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नीतिगत सुधारों को भी

तेज गति दी। स्वस्थ्य से लेकर बड़े उद्योग समूहों तक, सभी के लिए अलग-अलग विंडो बनाकर समस्याओं का मौके पर समाधान शुरू किया गया।

इन सभी प्रयासों का असर सोमवार को गुरुग्राम में साफ दिखाई दिया, जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महत्वाकांक्षी 'मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी' का विधिवत शुभारंभ किया। इस नई नीति का लक्ष्य अगले 5 साल में 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना और 20 लाख से ज्यादा रोजगार पैदा करना है।

खास बात ये रही कि लॉन्च के पहले ही दिन इस नीति को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। देश-विदेश के विभिन्न औद्योगिक समूहों और बड़े निवेशकों के साथ मौके पर ही 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसमें ऑटो, आईटी, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग और ग्रीन एनर्जी सेक्टर की बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि यह हरियाणा के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी सिंगल-डे उपलब्धियों में से एक है। इस सफलता का श्रेय सीधे तौर पर डॉ अमित अग्रवाल की टीम की प्लानिंग और एग्जीक्यूशन को दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी मंच से डॉ अग्रवाल की कार्यशैली की तारीफ करते हुए कहा कि अफसर जब जमीन पर उतरकर काम करते हैं तो नतीजे ऐसे ही आते हैं।

10 लाख निर्माण मजदूरों के रजिस्ट्रेशन का खर्च खुद उठाएगी पंजाब सरकार : सीएम भगवंत मान

कहा, गांवों और शहरी क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाकर कल्याण योजनाओं का लाभ सीधे मजदूरों तक पहुंचाया जाए, सीएम ने की पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

07 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को पूरे पंजाब में 10 लाख निर्माण मजदूरों के मुफ्त पंजीकरण और पुराने पंजीकरण को नवीनीकृत करने के लिए बड़ी मुहिम का ऐलान किया। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों और शहरी क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाकर कल्याण योजनाओं का लाभ सीधे मजदूरों तक पहुंचाया जाए। पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार हर निर्माण मजदूर को सामाजिक सुरक्षा लाभ, कल्याण सहायता और कौशल विकास के अवसर प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड का गठन निर्माण मजदूरों के पंजीकरण, वित्तीय सहायता और कल्याण योजनाओं के माध्यम से उनकी भलाई, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आवश्यक धनराशि उपलब्ध होने के बावजूद लंबे प्रोसेसिंग समय के कारण मजदूरों के लिए कल्याण योजनाएं आवश्यक सफलता हासिल नहीं कर सकीं। कल्याण योजनाओं का दायरा बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सीएम मान ने कहा, इस समय बी.ओ.सी.डब्ल्यू. वेलफेयर बोर्ड के

पास 2.21 लाख मजदूर पंजीकृत हैं, जो पंजाब भर में चल रही बड़े पैमाने की निर्माण गतिविधियों और शहरीकरण को देखते हुए काफी कम है। पंजीकरण में सुधार के लिए राज्य भर में और पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि पंजाब सरकार इस विशेष मुहिम के दौरान मजदूरों पर पंजीकरण शुल्क का बोझ खत्म करेगी, ताकि अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। भगवंत मान ने कहा, यह देखा गया है कि मजदूर अक्सर पंजीकरण कराने में हिचकते हैं क्योंकि उन्हें पंजीकरण शुल्क के रूप में 145 रुपये जमा कराने होते हैं। पंजीकरण कराने और नवीनीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए इस विशाल पंजीकरण मुहिम के दौरान आवेदकों को यह शुल्क जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इस मुहिम के दौरान लगभग 10 लाख मजदूरों को पंजीकृत किया जाएगा और पंजाब सरकार इसके लगभग 15 करोड़ रुपये के वित्तीय खर्च को खुद सहन करेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार पंजीकरण के बाद भी मजदूरों की मदद करना जारी रखेगी। मान ने कहा, पंजाब सरकार उन सभी मजदूरों का पंजीकरण शुल्क का खर्च उठाएगी, जो एक साल के अंदर किसी भी लाभ का फायदा नहीं उठाते। श्रम विभाग को गांवों में शाम के समय विशेष शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं क्योंकि मजदूर उस समय काम से लौटते हैं और इससे अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

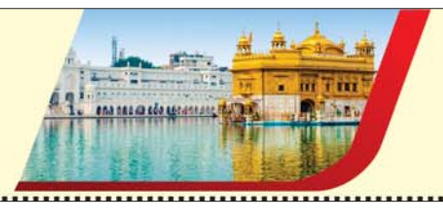

संक्षिप्त न्यूज

पंजाब भाजपा को बड़ा झटका, वरिष्ठ नेता ने महासचिव पद से दिया इस्तीफा

लुधियाना (ब्यूरो)- पंजाब की राजनीति से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता डॉ. जगमोहन सिंह राजू ने पंजाब बीजेपी के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। इस संबंध में उन्होंने 5 जून को संगठन मंत्री को पत्र भेजा था, जिसे अब उन्होंने सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किया है।

अपने पत्र में डॉ. राजू ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान उन्होंने पार्टी में उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में जिम्मेदारी निभाई और यह अनुभव उनके लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। बताया जा रहा है कि केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद उन्होंने यह फैसला लिया है।

मात-पिता गौधाम महातीर्थ में नन्दनी ऑडिटोरियम का भव्य शुभारम्भ हुआ

मोहाली (जगमीत घुम्मन)- मात-पिता गौधाम महातीर्थ, गाँव खल्हौर बनूड़-अम्बाला रोड, मोहाली में आयोजित 174वें मासिक भंडारे के अवसर पर नव-निर्मित अत्याधुनिक वातानुकूलित नन्दनी ऑडिटोरियम का भव्य शुभारम्भ अंतरराष्ट्रीय वैदिक कथा वाचक आचार्य राजेश्वरानन्द महाराज के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गौभक्त एवं समाजसेवी उपस्थित हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति का वातावरण देखने को मिला। हवन-यज्ञ, सत्संग एवं भजन-कीर्तन में उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव से सराबोर रहे तथा साक्षात कामधेनु स्वरूपा नन्दनी गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त किया। नवनिर्मित नन्दनी ऑडिटोरियम को आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप विकसित किया गया है। पूर्णतः वातानुकूलित यह विशाल सभागार अब वर्षभर आयोजित होने वाले सत्संग, आध्यात्मिक प्रवचनों, धार्मिक कार्यक्रमों, सेवा सम्मान समारोहों एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए श्रद्धालुओं को अत्यंत आरामदायक वातावरण प्रदान करेगा। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में भी श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के लंबे समय तक सत्संग एवं धार्मिक कार्यक्रमों का लाभ उठा सकेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सेवा सम्मान समारोह रहा, जिसमें समाज में माता-पिता की।

मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी पर चिंता जताई, - प्रशासन से सुरक्षा की मांग

अमृतसर (साहिब दयाल) पंजाब में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में शिवसेना छत्रपति शिवाजी के राष्ट्रीय धर्म प्रचारक पंडित गिरधारी लाल और पंजाब प्रधान मनोज कुमार डिप्टी ने मीटिंग की। इस दौरान राज्य के प्रमुख और ऐतिहासिक मंदिरों को निशाना बनाए जाने की मिली धमकियों पर रोष और चिंता जताई गई। पंडित गिरधारी लाल ने बताया कि पिछले कुछ समय से पंजाब का सांप्रदायिक और सामाजिक माहौल खराब करने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने एक बेहद गंभीर मामला उजागर करते हुए कहा कि पिछले दिनों अज्ञात तत्वों द्वारा ईमेल के माध्यम से पंजाब के पांच अत्यंत प्रसिद्ध और ऐतिहासिक मंदिरों को बम धमाकों से उड़ाने की खुली धमकी दी गई है। इसमें अमृतसर का ऐतिहासिक श्री दुर्गाणा मंदिर, पठानकोट का प्राचीन श्री मुक्तेश्वर मंदिर, जालंधर के श्री देवी तालाब मंदिर, बठिंडा के ऐतिहासिक माइसर खाना मंदिर, पटियाला का श्री काली देवी मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थलों को धमकी दी गई। उन्होंनो प्रशासन से मांग की है कि इन सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत चाक-चौबंद किया जाए, शरारती तत्वों का पता लगाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

लिवासा हॉस्पिटल्स भाखरा राइड 2.0 में हेल्थ पार्टनर बना

नंगल(जगमीत घुम्मन)- रविवार को नंगल में आयोजित भाखरा राइड 2.0 में पंजाब भर से साइकिल चालकों, धावकों, फिटनेस के शौकीनों, परिवारों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों सहित लगभग 800 प्रतिभागियों ने भाग लिया। लिवासा हॉस्पिटल्स इस आयोजन का हेल्थ पार्टनर था। इस आयोजन में तीन श्रेणियां 25 किमी भाखरा एलिवेशन राइड, 10 किमी सिटी राइड और 5 किमी फन वॉक/रन थीं। लिवासा हॉस्पिटल्स द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया, जिन्होंने पूरे आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को चिकित्सा सहायता, बुनियादी स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। अस्पताल द्वारा अंगदान के जीवन रक्षक प्रभाव के बारे में शिक्षित करने के लिए एक अंगदान जागरूकता और प्रतिज्ञा अभियान भी आयोजित किया गया। लिवासा हॉस्पिटल्स के सीईओ अनुराग यादव ने कहा, भाखरा राइड 2.0 ने फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ अंगदान के बारे में सार्थक बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया है - एक ऐसा कारण जिसमें अनगिनत जिंदगियां बचाने की क्षमता है। हमें इस प्रेरणादायक सामुदायिक पहल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है और हम समुदायों में सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का समापन, 2027 मिशन और संगठन विस्तार पर मिला मार्गदर्शन

» प्रथम न्यूज । शैली अल्बर्ट

07 जून (डोगरा)

भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर (शहरी) द्वारा जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया। शिविर के दूसरे एवं अंतिम दिन छह महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। पूरे प्रशिक्षण शिविर के दौरान कुल 12 सत्रों में पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, सोशल मीडिया, आधुनिक तकनीक और पंजाब में भाजपा के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

सातवें सत्र में जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने विचार संस्कृति, राष्ट्रवाद एवं पंच निष्ठा विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की शक्ति उसकी वैचारिक स्पष्टता, राष्ट्र प्रथम की भावना और कार्यकर्ताओं की निष्ठा में निहित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन हित और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

आठवें सत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश राय खन्ना ने संगठनात्मक अनुशासन, कार्य संस्कृति और कार्यपद्धति पर मार्गदर्शन देते हुए बूथ स्तर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नौवें सत्र में पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश बाघा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को जनता और सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभानी चाहिए।

दसवें सत्र में पूर्व प्रदेश महामंत्री मनजीत सिंह राय ने घर-घर संपर्क अभियान, प्रेस प्रबंधन, दीवार लेखन और पार्टी कार्यालय संचालन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं ग्यारहवें सत्र में प्रदेश आईटी सेल की प्रमुख नेता नूपुर चेतली ने सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नमो ऐप, सरल ऐप और चैट जीपीटी के प्रभावी उपयोग पर प्रशिक्षण दिया।

अंतिम सत्र में भाजपा पंजाब के संगठन महामंत्री श्रीनिवासुलु ने पंजाब में भाजपा को मजबूत राजनीतिक विकल्प बनाने की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाकर और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाकर भाजपा को पंजाब की प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनाया जा सकता है।

समापन अवसर पर जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने सभी वक्ताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविर ने कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनीतिक रूप से अधिक सक्षम बनाया है तथा यह मार्गदर्शन आगामी चुनावी चुनौतियों का सामना करने में सहायक सिद्ध होगा।

करियर मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को मिली नई उड़ान : स्कूल ऑफ एमीनेंस गुरदासपुर और वेद कौर आर्या गर्ल्स स्कूल में विशेष सत्र आयोजित

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

07 जून (संदीप सन्नी)

जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा द्वारा स्कूल ऑफ एमीनेंस गुरदासपुर और वेद कौर आर्या गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल का एक विशेष शैक्षणिक दौरा किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को करियर निर्माण, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगारोन्मुखी अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण व प्रेरणादायक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एमीनेंस गुरदासपुर के प्रिंसिपल अनिल भल्ला, वेद कौर आर्या गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल ममता डोगरा, गाइडेंस काउंसलर शैलजा और रंजू बाला ने विद्यार्थियों को ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करें विद्यार्थी : मुकेश वर्मा

अपने संबोधन के दौरान जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने विद्यार्थियों को बारहवीं के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा- आज के इस कंपटीशन के युग में सही समय पर मिला सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों के जीवन को एक नई दिशा देता है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और योग्यता

के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को एन.डी.ए., सी.डी.एस., सी.यू.ई.टी., बैंकिंग, रेलवे, पैरामेडिकल, आई.टी.आई., पॉलिटेक्निक और अन्य रोजगारोन्मुखी कोर्सेज के बारे में भी जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने करियर और भविष्य से संबंधित कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने बेहद सरल, व्यावहारिक और प्रेरणादायक तरीके से जवाब दिया।

गाइडेंस कॉर्नर का किया निरीक्षण

दौरे के दौरान स्कूलों में स्थापित किए गए गाइडेंस कॉर्नर का भी विशेष रूप से निरीक्षण किया गया। मुकेश वर्मा ने इस अनूठे प्रयास की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि विद्यार्थियों को अधिकतम लाभ पहुँचाने के लिए इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं, स्किल कोर्सेज और रोजगार से संबंधित नवीनतम जानकारी व अध्ययन सामग्री को नियमित रूप से अपडेट किया जाए। इस विशेष अवसर पर स्कूल प्रबंधन की ओर से जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया।

खून दान की एक बूंद किसी के जीवन में रोशनी ला सकती है : सुरजीत लाल

» प्रथम न्यूज । जालंधर

07 जून (डोगरा)

मानवता की सेवा और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के उद्देश्य से डिप्टी कमिश्नर वर्जित बलिया की अध्यक्षता में जिला रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से साबिक हेल्थ केयर वेलफेयर सोसाइटी, लाडली सिद्ध जोगी नाथ के सहयोग से रेड क्रॉस भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 के लगभग युवाओं, समाजसेवियों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस मौके पर समाजसेवक सुभाष शर्मा, अजय चोपड़ा, विकास गौरव, माइकल ओहरी और प्रवीण पब्बी विशेष तौर पर उपस्थित हुए उनके अलावा निष्काम सेवा वेलफेयर सोसाइटी की प्रधान किरण नागपाल और सीनियर वाइस प्रधान सुषमा डोगरा, चेयरमेन सतपाल सिंह विशेष तौर पर हाजिर हुए इस अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव सुरजीत लाल ने कहा कि खून दान की एक बूंद किसी के जीवन में रोशनी ला सकती है। उन्होंने बताया कि रक्तदान के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त मरीजों, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए।

रक्तदान शिविर में निष्काम वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष किरण नागपाल ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बढ़कर कोई मानव सेवा नहीं हो सकती। एक यूनिट रक्त कई लोगों की जिंदगी बचाने में सहायक साबित हो सकता है। वहीं सोसायटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुषमा डोगरा ने कहा कि उनकी संस्था समय-समय पर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है और अब तक कई रक्तदान शिविर आयोजित कर चुकी है। उन्होंने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसी भी जरूरतमंद मरीज को रक्त की कमी के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े।

रेड क्रॉस सोसायटी के अधिकारियों ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों और सामाजिक संगठनों का धन्यवाद किया। इस दौरान लोगों को रक्तदान के महत्व और इससे जुड़े विभिन्न तथ्यों के बारे में भी जागरूक किया।

भगत कबीर जी का प्रकाश उत्सव 29 जून को मनाया जाएगा, 28 जून की शोभायात्रा को लेकर मिटिंग अयोजित

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

07 जून (साहिब दयाल)

शिरोमणि भगत कबीर यूथ सोसाइटी (रजि.) की ओर से सतगुरु कबीर जी महाराज का 628वां प्रकाश उत्सव 29 जून को पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इससे एक दिन पहले, 28 जून को शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए झब्बाल रोड पर स्थित छोटा हरिपुरा में भगत समाज के सभी नेताओं की एक विशेष बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मास्टर तिलक राज, किशन लाल बब्बा और शाम लाल भगत ने की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम के लिए सभी ज़रूरी इंतज़ाम समय पर पूरे किए जाएं ताकि कार्यक्रम और शोभा यात्रा में शामिल होने वाले लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। कमेटी प्रबंधकों ने बताया कि शोभा यात्रा रविवार 28 जून को दोपहर 3 बजे भगत कबीर मंदिर छोटा हरिपुरा से शुरू होगी। शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए यह शोभा यात्रा ढप्पई रोड से भगत कबीर गेट, लाहौरी गेट और हॉल गेट से गुज़रकर बड़ा हरिपुरा पहुंचेगी और फिर कटरा शेर सिंह व लाहौरी गेट होते हुए वापस लौटेगी। संगत के लिए जगह जगह पर लंगर एवं छबील पानी की विशेष व्यवस्था रहेगी। इस बैठक में कबीर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष बूटा राम और अशोक कुमार भगत विशेष रूप से मौजूद थे। इस मौके पर वरदान भगत, प्रिंस मोहन, राजेश कुमार, राज भगत, रवि शंकर, कुलवंत राय, दीपक, राकेश, साहिब जी, मंगल दास, सतिंदर, क्रांति और समाज के अन्य प्रमुख सदस्य शामिल हुए।

पंजाब सरकार के इशारे पर पटियाला पुलिस प्रशासन द्वारा सहायक लाइनमैनों पर किए गए अंधाधुंध लाठीचार्ज की हम कड़ी निंदा करते हैं

» प्रथम न्यूज । जालंधर

07 जून (कुलदीप सिंह)

पंजाब राज्य पेंशनभोगी परिसंघ (पंजीकृत) के अध्यक्ष करम सिंह धनोआ, महासचिव कुलवरन सिंह और राज्य सहायक प्रेस सचिव कुलदीप सिंह कौरा ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में पंजाब सरकार के इशारे पर पटियाला पुलिस प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे सहायक लाइनमैनों पर किए गए अंधाधुंध और क्रूर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों ने सैनिकों के साथ मिलकर गुंडागर्दी का नग्न नृत्य करते हुए इन भोले-भाले बच्चों को चिथड़ों की तरह पीटा। नेताओं ने कहा कि शहीद भगत सिंह के नाम पर मुख्यमंत्री बने भगवंत सिंह मान पंजाब में गुंडागर्दी की नीति अपना रहे हैं। अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए संघर्ष कर रहे आंदोलनकारी कर्मचारियों को पुलिस के आदेश पर पीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पटियाला में सहायक लाइनमैनों पर किया गया यह लाठीचार्ज भगवंत सिंह मान की सरकार के भविष्य का नक्शा भी बयां करता है। संगठन के नेताओं ने पंजाब सरकार को चेतावनी दी है कि यदि सरकार कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और संघर्षरत बेरोजगार युवाओं की मांगों का तुरंत और उचित समाधान नहीं करती है, तो पंजाब सरकार के खिलाफ सभी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों द्वारा नियोजित संघर्ष को और भी तीव्र रूप दिया जाएगा और आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। नेताओं ने पंजाब सरकार से यह भी मांग की कि पटियाला पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए अंधाधुंध लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा की जाए और जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को उचित दंड दिया जाए तथा सहायक लाइनमैनों को तत्काल पूर्ण ग्रेड में नियमित नियुक्ति के आदेश दिए जाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस- जिला कचहरी गुरदासपुर और सब-डिवीजन बटाला में ज्यूडिशियल अफसरों ने रोपे पौधे

गुरदासपुर (संदीप सन्नी)- जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, गुरदासपुर के मार्गदर्शन के तहत हरप्रीत सिंह सचिव, द्वारा सेशन्स डिवीजन के अंतर्गत जिला कोर्ट कॉम्प्लेक्स गुरदासपुर और सब-विभागीय कोर्ट परिसर बटाला में विश्व पर्यावरण दिवस बेहद उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। गौरतलब है कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना जगाने के लिए हर साल 5 जून को दुनिया भर में यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरदासपुर और बटाला की जिला कचरियों में सभी माननीय न्यायिक अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

न्यायिक अधिकारियों ने खुद पौधे लगाकर दिया संदेश- अदालत परिसरों में पर्यावरण की सुरक्षा और हरियाली के दायरे को बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मुहिम की शुरुआत करते हुए उपस्थित समस्त ज्यूडिशियल अफसरों द्वारा कोर्ट परिसरों में विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार पौधे लगाए गए और उनकी देखभाल का जिम्मा भी लिया गया।

डीएसपी सिंगला और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज कर उन्हें बर्खास्त किया जाए : बेगमपुरा टाइगर फोर्स

धरनाकारियों की मांगों को दबाकर सरकार उन्हें नशीले पदार्थों और अपराध की ओर धकेल रही है : धर्मपाल, कृष्ण लाल, गुरुप्रसाद

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर / माछीवाड़ा साहिब

07 जून (तरसेम दीवाना)

पटियाला में अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे अस्थाई लाइनमैनों पर पंजाब पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज, मारपीट और धरनाकारियों से क्रूरतापूर्ण व्यवहार की बेगमपुरा टाइगर फोर्स ने कड़ी निंदा की है।

बेगमपुरा टाइगर फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मपाल साहनेवाल, उप चेयरमैन कृष्ण लाल बलीयेवाल, और गुरुप्रसाद सिंह खाम ब्लॉक अध्यक्ष माछीवाड़ा साहिब ने संयुक्त रूप से एक बयान जारी कर कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से इकट्ठा होने, अपनी बात रखने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि पटियाला में हुई घटना संविधान के आर्टिकल 14, 19, 21 और 25 की भावना के विपरीत है। सरकार और प्रशासन का काम लोगों की जायज मांगों को सुनना और उनका समाधान करना होता है, न कि डंडे के जोर से उनकी आवाज को दबाना। नेताओं ने मांग की कि धरनाकारियों पर डीएसपी संजीव सिंगला और उनके साथ के पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज की तुरंत उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराकर डीएसपी सिंगला और उनके साथ के सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ बनती धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर डीएसपी सहित सभी दरिंदों को सलाखों के पीछे भेजा जाए! उन्होंने कहा कि धरनाकारियों की पगड़ी उतारने और केशों की बेअदबी करने के आरोप बहुत गंभीर आरोप होते हैं। उन्होंने कहा कि सिख धर्म में पगड़ी और केशों का विशेष सम्मान है और यदि किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी ने ऐसा किया है तो उसके खिलाफ तुरंत मामला दर्ज होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि डीएसपी सहित इस कार्रवाई में शामिल सभी पुलिसकर्मियों को तुरंत बर्खास्त किया जाए और पीड़ित धरनाकारियों को न्याय दिया जाए। उन्होंने कहा कि कानून के रखवालों द्वारा ही कानून और मानवाधिकारों का उल्लंघन करना बहुत दुखद और चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को अपने ही नागरिकों और कर्मचारियों से दुश्मनों से भी बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए, बल्कि उनकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान लाठियों या जबर से नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि पंजाब के हर विभाग को दूसरे विभाग के कर्मचारियों की जायज मांगों का साथ देना चाहिए।

आज यदि बिजली विभाग के लाइनमैन अपने हकों के लिए संघर्ष कर रहे हैं तो कल यही हालात किसी अन्य विभाग के कर्मचारियों के सामने भी आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के बच्चे भी पढ़-लिखकर आगे नौकरी और रोजगार की मांग करेंगे, इसलिए लाठीचार्ज किसी समस्या का समाधान नहीं है। पुलिस और प्रशासन का फर्ज बनता है कि वे संघर्ष कर रहे युवाओं और कर्मचारियों की मांगों को मुख्यमंत्री और सरकार तक पहुंचाएं और उनके समाधान के लिए सकारात्मक भूमिका निभाएं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हिमाचल में 15 जून को शपथ लेंगे पंचायत प्रतिनिधि

कांगड़ा जिले में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू स्वयं दिलाएंगे नवनिर्वाचित प्रधानों व उपप्रधानों को शपथ

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश की 3,758 ग्राम पंचायतों में हाल ही में निर्वाचित हुए प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्य 15 जून को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शपथ ग्रहण के साथ ही पंचायतों में नई निर्वाचित ग्राम सरकारें औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लेंगी और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएंगी।

गौरतलब है कि 31 जनवरी को पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद पंचायतों का प्रशासनिक कार्यभार सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारियों को सौंपा गया था। अब पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद चुने गए प्रतिनिधि स्थानीय प्रशासन और विकास योजनाओं की कमान अपने हाथों में लेंगे। इस बार पंचायत चुनावों में 176 प्रधान और 286 उपप्रधान निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण विशेषता मानी जा रही है। शपथ ग्रहण के बाद पंचायतों में बैठकों, विकास योजनाओं, जनहित कार्यों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया फिर से निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से संचालित होगी। हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के तहत शपथ ग्रहण कराने के लिए मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री तथा मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्यों को अधिकृत किया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, कांगड़ा जिले में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू स्वयं नवनिर्वाचित प्रधानों, उपप्रधानों और वार्ड सदस्यों को शपथ दिलाएंगे।

15 जून को होने वाला यह शपथ ग्रहण समारोह प्रदेश की पंचायत व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, क्योंकि इसके साथ ही गांवों की लोकतांत्रिक संस्थाएं पूर्ण रूप से सक्रिय होकर स्थानीय विकास और जनसेवा के कार्यों में जुट जाएंगी।

श्रीमद् देवी भागवत कथा में महिषासुर वध प्रसंग का वर्णन, बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

बरठीं 7 जून (देश राज) - विकासखंड झंडूता के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुन्हानी नागा बाबा कुटिया प्रेम गिरि जी महाराज की तपोस्थली मे पंच दस नाम आह्वान अखाड़ा के सेक्रेटरी महंत अभय गिरी जी महाराज के सानिध्य में चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा के सातवें दिन वेदाचार्य राधा रमन शास्त्री ने महिषासुर की कथा का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि महिषासुर एक अत्यंत शक्तिशाली राक्षस था जिसने ब्रह्मा जी की कठोर तपस्या करके अमर होने का वरदान प्राप्त कर लिया था उसने वरदान मांगा कि कोई भी पुरुष, देवता या दानव उसे मार न सके। इस अजेय शक्ति के अहंकार में आकर उसने स्वर्ग पर कब्जा कर लिया और सभी देवताओं को बंदी बना लिया उन्होंने बताया कि महिषासुर के अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए, सभी देवताओं ने मिलकर भगवान विष्णु और शिव से सहायता मांगी। उन्होंने बताया कि महिषासुर को केवल किसी स्त्री के हाथों ही मृत्यु का वरदान था, इसलिए त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) ने अपनी सम्मिलित ऊर्जा और तेज से देवी दुर्गा का निर्माण किया। सभी देवताओं ने उन्हें अपने सबसे शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र और शेर की सवारी भेंट की।देवी दुर्गा और महिषासुर के बीच लगातार नौ दिनों तक भयानक युद्ध चला और अंतत: दसवें दिन जब महिषासुर ने भैंस (महिष) का रूप धारण कर लिया, तब देवी ने अपने त्रिशूल और चक्र से उसका वध कर दिया। वेदाचार्य ने सांगितमयी कथा के माध्यम से बताया कि महिषासुर के अंत की यह संपूर्ण कथा महिसासुर वध कथा हमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि परिवार के साथ रोजाना 5 मिनट ईश्वर के समक्ष बिताना एक बहुत ही सकारात्मक और सार्थक विचार है।यह पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और मानसिक शांति प्रदान करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि ध्यान या प्रार्थना से मन शांत होता है, जिससे घर का तनाव दूर होता है।पारिवारिक एकता-दिन में कुछ पल साथ बिताने से परिवार के सदस्यों के बीच आपसी समझ और प्रेम बढ़ता है। बच्चों में अच्छे संस्कार और कृतज्ञता की भावना विकसित होती है। मंदिर के महंत बाबा अरविंद गिरी जी महाराज ने बताया की कथा का समापन 9 जून को आयोजित किया गया है जिसमें विशाल हवन यज्ञ वह भंडारे का आयोजन किया जाएगा उन्होंने बताया कि इस मौके पर बड़ी संख्या में प्रदेश व बाहरी प्रदेशों से संत समाज भी इकट्ठा होगा जिनको भी सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर शमशेर सिंह ठाकुर रमेश चंद लवली पिंकू धर्म सिंह रघुवीर सिंह ठाकुर भगत राम शास्त्री प्रेमलाल हेमराज विवेक शर्मा कुलदीप चंद जोगिंदर राणा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

नीरज भारती कांग्रेस के सच्चे सिपाही, उनकी नीयत पर सवाल नहीं उठाया जा सकता - पंकज शर्मा

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम) ई. पंकज कुमार शर्मा ने प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि वह नीरज भारती को कांग्रेस पार्टी का सच्चा और समर्पित सिपाही मानते हैं। उन्होंने कहा कि नीरज भारती ने हाल ही में जो बातें सार्वजनिक रूप से रखी हैं, उनका उद्देश्य सरकार की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं को सरकार तक पहुंचाना था। पंकज शर्मा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनकी अपेक्षाओं तथा सुझावों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीरज भारती चाहते हैं कि कांग्रेस सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बना रहे, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल मजबूत हो और वे भविष्य में भी पार्टी के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहें। उन्होंने कहा कि नीरज भारती की बात रखने की शैली को लेकर कुछ लोगों की अलग राय हो सकती है, लेकिन उनकी नीयत पर किसी प्रकार का संदेह नहीं किया जाना चाहिए। उनका उद्देश्य केवल पार्टी और सरकार को मजबूत करना है।

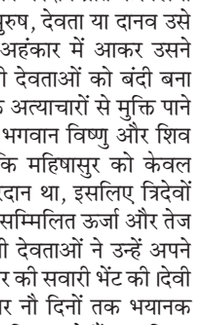

'एस्पायर टैलेंट हंट' से होगा सुपर-50 बैच का चयन, मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा अवसर

'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के 15 बच्चों को नीट-जेईई की निःशुल्क कोचिंग देगी एस्पायर, शिक्षा और प्रतिभा संवर्धन पर सरकार का जोर, मुख्यमंत्री सुक्खू ने जारी किया टैलेंट हंट का पोस्टर

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 जून (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को शिमला में 'एस्पायर टैलेंट हंट' का पोस्टर जारी किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आगामी 27 सितंबर को आयोजित होने वाले इस टैलेंट हंट के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों की पहचान कर सुपर-50 बैच के लिए उनका चयन किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल प्रदेश के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि

एस्पायर संस्थान 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के 15 बच्चों को नीट और जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराएगा। इसके तहत कोचिंग, अध्ययन सामग्री तथा अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं पर होने वाला पूरा खर्च संस्थान स्वयं वहन करेगा। उन्होंने इस पहल को सामाजिक उत्तरदायित्व और शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया।

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में सरकार ने लगभग 6,000 निराश्रित बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा प्रदान किया है, जिसके माध्यम से उनकी शिक्षा, देखभाल और भविष्य की जिम्मेदारी राज्य सरकार ने अपने ऊपर ली है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसे बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इंदिरा गाँधी सुख शिक्षा योजना के माध्यम से विधवा एवं एकल महिलाओं के बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग दिया जा रहा है, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

इस अवसर पर सचिव आशीष सिंहमार , अतिरिक्त प्रधान निजी सचिव राजीव कुमार तथा एस्पायर के प्रबंध निदेशक योगेंद्र मीणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनीं आरती देवी, नघियार महिला मंडल को दिलाई नई पहचान

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

07 जून (जितेंद्र गौतम)

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से पंचायत स्तर पर गठित महिला मंडलों में नघियार महिला मंडल ने उल्लेखनीय कार्य कर एक नई मिसाल कायम की है। महिला मंडल की पूर्व प्रधान आरती देवी ने जनवरी 2021 से जनवरी 2026 तक

अपने कार्यकाल के दौरान अनेक जनहित और सामाजिक कार्यों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर पूरे क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। आरती देवी के नेतृत्व में महिला मंडल ने गांववासियों और सदस्यों के सहयोग से लगभग 80 प्लास्टिक कुर्सियां, चार मेज, हवन कुंड, माइक स्टैंड, ग्लास, थालियां तथा 15 टैंट-समियाने की व्यवस्था की। इसके अलावा सामाजिक कार्यक्रमों के लिए एक सामुदायिक भवन (कम्युनिटी हॉल) का निर्माण भी करवाया गया, जो क्षेत्र की महिलाओं और ग्रामीणों के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

उनके कार्यकाल में पर्यावरण संरक्षण दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, शिक्षक दिवस और विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।साथ ही नशा मुक्ति, साइबर अपराधों से बचाव, प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता, वन संरक्षण तथा आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर नियमित जागरूकता अभियान चलाए गए। महिला मंडल ने शहीद आशा कुमार शर्मा की स्मृति में उनकी पत्नी संतोष कुमारी को 'वीर नारी सम्मान' से सम्मानित कर समाज में देशभक्ति और सम्मान की भावना को भी मजबूत किया।

आरती देवी की उत्कृष्ट सेवाओं और समाजहित में किए गए कार्यों को देखते हुए जिला प्रशासन ने उन्हें 30 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा शिमला के आर्य समाज पब्लिक हाई स्कूल तथा उच्च शिक्षा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से हुई है।

सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी रुचि बचपन से रही है। नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी ने आरती देवी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए गए कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। नघियार महिला मंडल आज जिस ऊंचाई पर पहुंचा है, उसमें आरती देवी के समर्पण, नेतृत्व और सामाजिक सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, देश में 100 करोड़मतदाता : ज्ञानेश कुमार मुख्य निर्वाचन आयुक्त

खजियार में बूथ लैवल अधिकारियों, बीएलओ पर्यवेक्षकों तथा मतदाताओं से की वार्ता

» प्रथम न्यूज । चंबा

07 जून (एएम नाथ)

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा यहां मतदाताओं की संख्या 100 करोड़ है। देश में लगभग एक करोड़ 80 लाख लोग चुनाव आयोग के साथ काम करते हैं तथा देश में 12 लाख बूथों पर काम करने वाले बूथ लेवल अधिकारी चुनाव आयोग के धरातल पर काम करने वाले अधिकारी हैं। यह जानकारी भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने जिला चंबा के प्रवास के दौरान खजियार में बूथ लेवल अधिकारियों, बीएलओ पर्यवेक्षकों तथा मतदाताओं के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हु? दी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि लोकतंत्र मे युवाओं सहित सभी मतदाताओं की भागीदारी अतयंत महत्वपूर्ण है तथा प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है उन्होंने जिला के सभी मतदाताओं से अपील की जीवन में प्रत्येक मतदान में बढ़चढ़र का हिस्सा ले तथा भविष्य में होने वाले चुनावो में अपने जिला में मतदान की प्रतिशतता को 90 से

अधिक सुनिश्चित करें। उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खजियार में आयोजित कार्यक्रम में जिला के दौरान विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आए बूथ लेवल अधिकारियों तथा मतदाताओं से वातचीत की तथा संबंधित क्षेत्रों में निर्वाचन संबधी प्रक्रिया, मतदान प्रतिशतता व मतदाताओ की संख्या तथा मतदानं केंद्रों के विषय में महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने युवा मतदाता पल्लवी शर्मा, सैफ अली तथा साहिल के अतिरिक्त महिला मतदाता सुरेंद्री देवी तथा सुमना देवी से भी वार्तालाप की तथा मतदान के बारे में उनकी राय व अनुभव जाना। उन्होंने खजियार मे खजी नाग मंदिर व इसके आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया।

इससे पूर्व उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त का विधिवत स्वागत किया तथा उन्हें शाल टोपी तथा समृति चिन्ह (चंबा रूमाल) भेंटकर सम्मानित किया। उपायुक्त ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त की धर्मपत्नी श्रीमती अनुराधा कुमार को भी शाल व टोपी भेंट कर विधिवत सम्मानित किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन मुरारी लाल व नीरज चांदला ,उपायुक्त मुकेश रेपसवाल, पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी, अतिरिक्त उपायुक्त अमित मेहरा, एसडीएम प्रियांशु खाती, जिला विकास अधिकारी तविंद्र चिनौरिया, तहसीलदार (निर्वाचन) अनूप डोगरा सहित के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे ।

एबीवीपी ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की सशक्त परंपरा स्थापित की : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 अप्रैल (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन स्मृति-2026 में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि वर्षों की स्मृतियों, संघर्षों, सीख और संगठनात्मक संस्कारों से पुन: जुड़ने का एक भावपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि उनका छात्र जीवन और व्यक्तित्व निर्माण एबीवीपी के संस्कारों से गहराई से जुड़ा रहा है तथा आज जीवन में जो कुछ भी प्राप्त किया है, उसमें एबीवीपी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जय राम ठाकुर ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

ने सदैव व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। राष्ट्र प्रथम की भावना, अनुशासन, संगठन और सामाजिक उत्तरदायित्व के जो संस्कार यह संगठन अपने कार्यकर्ताओं को देता है, वे इसे विश्व के अन्य छात्र संगठनों से विशिष्ट बनाते हैं। उन्होंने कहा कि एबीवीपी केवल विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन ही नहीं, बल्कि सबसे अनुशासित, संगठित और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित संगठन भी है। वर्षों बाद पुराने साथियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से मिलना अत्यंत आत्मीय अनुभव रहा, जिसने नई ऊर्जा, प्रेरणा और उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन संगठन की गौरवशाली यात्रा को स्मरण करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ताओं एवं आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा के निरंतर आगे बढ़ने की कामना की।

विद्या भारती के मेधावी सम्मान समारोह में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला

07 अप्रैल (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर आज सरस्वती विद्या मंदिर, विकास नगर में आयोजित विद्या भारती मेधावी छात्र सम्मान वर्गकार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय परिवार के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से प्राप्त होती है। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा और उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा

का स्रोत हैं। जय राम ठाकुर ने कहा कि विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं कर रही है, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, सनातन मूल्यों और नैतिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण का महत्वपूर्ण दायित्व भी निभा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत शिक्षा के माध्यम से विद्या भारती देशभर में सर्वांगीण विकास की अलख जगा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरस्वती विद्या मंदिरों में पुष्पित-पल्लवित हो रही ये प्रतिभाएं अपने ज्ञान, संस्कार और परिश्रम के बल पर समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

प्राकृतिक खेती को मिला नया बल, जिला बिलासपुर में शुरू हुई गेहूं की सरकारी खरीद

गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 80 रुपये निर्धारित होने पर किसान खुश, सरकार को कहा थैंक्स, जिला में 223 किसान प्राकृतिक उत्पादित गेहूं बेचने को तैयार,175 क्विंटल गेंहू खरीद का है लक्ष्य

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

07 जून (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर में प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की सरकारी खरीद कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा) परियोजना के माध्यम से शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक तौर पर उत्पादित गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम किए जाने पर जिला के किसान बेहद खुश हैं। किसानों के हित में प्रदेश सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय से न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि प्रदेश में रसायनमुक्त कृषि को भी बढ़ावा मिल रहा है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में किसानों का रुझान प्राकृतिक खेती की ओर लगातार बढ़ रहा है।

बिलासपुर में प्राकृतिक गेहूं बेचने पहुंचे ग्राम पंचायत कोटला के गांव बनवाड़ निवासी किसान सुमन कुमार ठाकुर ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से प्राकृतिक खेती से जुड़े हुए हैं। इस वर्ष उन्होंने लगभग 10 क्विंटल गेहूं आत्मा परियोजना के माध्यम से विक्रय किया है, जिसे प्रदेश सरकार

ने 80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि से न केवल किसानों की आर्थिकी सुदृढ़ हो रही है बल्कि प्राकृतिक खेती के प्रति उनका उत्साह भी मजबूत हुआ है।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत नम्होल के गांव दगशेच निवासी किसान देश राज ने बताया कि उन्हें आत्मा परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती के कारण पहले मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी, लेकिन प्राकृतिक खेती अपनाने से भूमि की उर्वरता में सुधार हुआ है। साथ ही प्राकृतिक तरीके से उत्पादित गेहूं का स्वाद और गुणवत्ता भी बेहतर हुई है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए किसानों ने कहा कि प्राकृतिक गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य पहले 40 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये तथा अब 80 रुपये प्रति किलोग्राम किए जाने से न केवल किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बल्कि किसानों का रूझान अब प्राकृतिक खेती को ओर तेजी से बढ़ने लगा है। प्रदेश सरकार की न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की यह पहल न केवल किसानों की आर्थिक सुदृढ़ता के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का कार्य कर रही है बल्कि रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन का आधार भी बन रही है।

क्या कहते हैं अधिकारी-

परियोजना निदेशक आत्मा रितेश गुप्ता का कहना है कि इस वर्ष जिला बिलासपुर में प्राकृतिक खेती से उत्पादित 175 क्विंटल गेहूं खरीदने के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले अब तक 120 किसानों से लगभग 160 क्विंटल गेंहू की खरीद की जा चुकी है। पिछले वर्ष जिला में 40 किसानों से लगभग 60 क्विंटल प्राकृतिक गेहूं की खरीद की गई थी, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर लगभग तीन गुना किया गया है। उनका कहना है कि जिला में 223 किसानों ने प्राकृतिक तौर पर उत्पादित गेंहू को बेचने की हामी भरी है, ऐसे में शीघ्र ही निर्धारित लक्ष्य को भी हासिल कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिला बिलासपुर में सदर और स्वारघाट विकास खंड के किसानों की सुविधा के लिए बिलासपुर शहर के निहाल स्थित सिविल सप्लाई गोदाम तथा झंडूता और घुमारवीं क्षेत्र के किसानों के लिए पट्टा में खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर केवल वही किसान अपनी उपज बेच सकते हैं जो आत्मा परियोजना द्वारा प्रमाणित हों, हिम परिवार पोर्टल पर पंजीकृत हों तथा प्राकृतिक खेती के माध्यम से गेहूं का उत्पादन कर रहे हों।

उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार का कहना है कि जिला में आत्मा परियोजना के माध्यम से लगभग 8 हजार किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं तथा लगभग 1,094 हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया जा चुका है। प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक रूप से उत्पादित गेंहू के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन भी संबंधित विभागों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ जिला में प्राकृतिक खाद्यान्नों के उत्पादन को भी बढ़ावा मिल सके।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हिमाचल महासभा, चंडीगढ़ की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, 21 जून को छबील सेवा आयोजित करने का निर्णय

चंडीगढ़(पुनीत महाजन) - हिमाचल महासभा, चंडीगढ़ की कार्यकारिणी बैठक रविवार, 07 जून 2026 को मुनि मंदिर, सेक्टर-23, चंडीगढ़ में कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश सहोर की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बैठक का शुभारंभ कार्यवाहक अध्यक्ष की अनुमति से किया गया। महासचिव (प्रशासन) शिविंदर मंडहोत्रा ने बैठक का एजेंडा सदन के समक्ष प्रस्तुत करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। एजेंडा में शामिल सभी विषयों पर सदस्यों द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया, जिसके उपरांत सदन की सहमति से सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक का मुख्य विषय आगामी 21 जून 2026 (जेठा रविवार) को बाबा बालक नाथ मंदिर, सेक्टर-29, चंडीगढ़ में आयोजित की जाने वाली छबील सेवा रहा। इस अवसर पर महासभा के उपाध्यक्ष संजीव कुमार को कार्यक्रम का संयोजक नियुक्त किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं और तैयारियों की विस्तृत जानकारी बैठक में साझा की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश सहोर ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय सहभागिता, सहयोग तथा रचनात्मक सुझावों की सराहना की। उन्होंने संगठन की एकता, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हिमाचल महासभा समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी। अंत में अध्यक्ष महोदय ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त किया तथा बैठक का सफलतापूर्वक समापन किया

आयुर्वेद में योग समग्र स्वास्थ्य की कुंजी : डा. मंजू शर्मा

कुरुक्षेत्र, 7 जून (बृज मोहन) जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि योग का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है, क्योंकि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह तनाव कम करने, शरीर को लचीला व मजबूत बनाने, एकाग्रता बढ़ाने और जीवन को अनुशासित बनाने में मदद करता है। नियमित योग से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे मोटापा, मधुमेह और हृदय संबंधी रोगों से बचाव होता है। अहम पहलू यह है कि आयुष विभाग द्वारा ब्रह्मसरोवर पर आपदा एवं बाढ़ प्रशिक्षकों के लिए योग सत्र का आयोजन किया जाएगा।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आयुष विभाग की डॉ. पूजा द्वारा गांव मुरादनगर की आंगनवाड़ी में एवं डॉ सपना द्वारा गांव मेहरा, खरकली में निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि मुरादनगर आंगनवाड़ी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 54 मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। आवश्यकतानुसार लाभार्थियों को निःशुल्क औषधियां वितरित की गईं तथा योग सत्र के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान की गई। गांव मेहरा में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में 93 लाभार्थियों ने सेवाओं का लाभ उठाया।

उन्होंने कहा कि योग कोऑर्डिनेटर डॉ. जागीर द्वारा ब्रह्मसरोवर पर आपदा एवं बाढ़ प्रशिक्षकों के लिए एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। आयुर्वेद में योग को समग्र स्वास्थ्य की प्राप्ति का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है और योग इसी संतुलन को स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। योगासन, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से शरीर की शुद्धि, मन की एकाग्रता तथा मानसिक शांति प्राप्त होती है। आयोजित योग सत्र में राजस्व एवं बाढ़ से जुड़े लगभग 35 प्रशिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग विशेषज्ञ मनजीत एवं योग सहायक रजत द्वारा प्रशिक्षकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया गया, जिससे वे आपदा के समय शारीरिक रूप से सक्षम एवं मानसिक रूप से संतुलित रह सकें।

इस अवसर पर सहायक के रूप में कर्मवीर, हरदीप सिंह, राय सिंह, रोहतास कुमार, दीपक कुमार, वीरेंद्र सिंह, डॉ. पूजा मंधान ,सरिता सैनी,कमल किशोर ,हेमा,डॉ. सपना, पूनम, प्रदीप कुमार ,बिमला देवीराजीव कुमार एवं भीम सिंह आदि उपस्थित रहे।

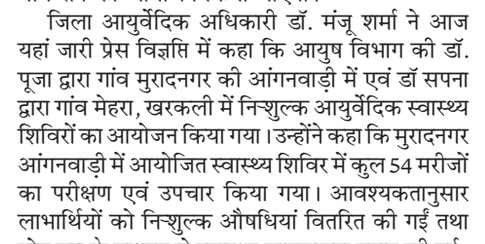

पंचायती भूमि पर प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनाई जाएगी विशेष नीति : मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

कहा , प्राकृतिक व जैविक किसानों को 5 वर्षों की अवधि के लिए प्रति वर्ष 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता दी जाएगी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचायत के स्वामित्व वाली भूमियों पर भी प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अगले वर्ष में एक नीति बनाई जाएगी। कृषि विभाग के स्वामित्व वाली लगभग 800 एकड़ भूमि केवल उन्हीं किसानों को पट्टे पर दी जाएगी, जो कम से कम अगले 10 वर्ष तक उसमें प्राकृतिक व जैविक खेती करेंगे।

मुख्यमंत्री आज कुरुक्षेत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा एवं क्लस्टर गठन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कृषि कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत , हरियाणा के कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बताया कि एपेडा (APEDA) एजेंसी से प्रमाणित प्राकृतिक व जैविक किसानों को 5 वर्षों की अवधि के लिए प्रति वर्ष 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता दी जाएगी। किसानों को जैविक खेती प्रमाणीकरण के लिए हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी को एक प्रमाणीकरण संस्था बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, चरखी दादरी व नारनौल में प्राकृतिक व जैविक किसानों को कृषि उपज बेचने के लिए मंडियों में जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही, परीक्षण हेतु प्रयोगशालाएं तथा प्रमाणीकरण के लिए एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसानों को अपनी प्राकृतिक व जैविक कृषि उपज बेचने के लिए बेहतर बाजार मिल सकें।

श्री नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से कुरूक्षेत्र जिले में 2,000 एकड़ कलस्टर में आधुनिकतम तकनीकों द्वारा स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से एक नई योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू की जाएगी। इसमें यदि किसानों को किसी प्रकार का भी नुकसान होगा तो उसकी हर पाई की भरपाई हरियाणा सरकार द्वारा की जाएगी। मोरनी ब्लॉक को एक प्राकृतिक व जैविक ब्लॉक के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करने के अलावा दिए जाने वाले प्रोत्साहनों की जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने बागवानी किसानों को भी मौसम की अनिश्चितताओं के जोखिम से मुक्त किया है। इसके लिए %मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना% में 21 फसलें शामिल की गई हैं।

उन्होंने किसानों को हरियाणा को प्राकृतिक खेती का मॉडल-राज्य बनाने में योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार बीज से बाजार तक हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। ऐसे में हम सबकी यह भी नैतिक जिम्मेवारी है कि हम अपनी भावी पीढ़ी को उपजाऊ भूमि सौंपें। स्वच्छ जल सौंपें। स्वच्छ पर्यावरण सौंपें। यह तभी संभव होगा, जब हम प्राकृतिक खेती को अपनाएंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक व जैविक खेती अभियान को आगे बढ़ाने में अनुकरणीय कार्य करने की सराहना करते हुए आचार्य द्वारा करवाए गए कार्यों की विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2022 में प्राकृतिक खेती योजना शुरू की थी। इसके लिए प्राकृतिक खेती पर एक पोर्टल भी शुरू किया है। अब तक इस पोर्टल पर लगभग 2 लाख किसानों ने 3 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इसमें से 44 हजार 77 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए 23 हजार 930 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश में 20 हजार 727 एकड़ क्षेत्र पर प्राकृतिक खेती की गई।

श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कुरुक्षेत्र के गुरुकुल, जींद के हमेटी, सिरसा के मंगियाना और करनाल के घरौंडा में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं। गुरुकुल, कुरुक्षेत्र के प्रशिक्षण केन्द्र में प्रगतिशील किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए राज्य सलाहकार की भी नियुक्ति की गई है। अब तक 12 हजार 188 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इनमें युवा किसान, महिलाएं और सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, हमेटी के प्रशिक्षण केंद्र में राज्य के 6 हजार 234 सरपंचों को एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया है।

उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2025 से देसी गाय पर मिलने वाली सब्सिडी 30,000 रुपये कर दी गई है। यह सब्सिडी उन किसानों के लिए है, जिनके पास कम से कम 1 एकड़ जमीन है। कच्चे माल के भंडारण व प्रसंस्करण के लिए 4 ड्रम खरीदने हेतु प्रत्येक किसान को 3 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्राकृतिक खेती योजना के तहत 2 हजार 500 किसानों को 4 ड्रम प्रति किसान की दर से 75 लाख रुपये, 1 हजार 171 देसी गाय की खरीद के लिए कुल 2 करोड़ 97 लाख रुपये अनुदान राशि सीधा किसानों के बैंक खाते में डाली जा चुकी है।

इस अवसर पर कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार के अलावा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं हजारों किसान उपस्थित थे।

झूठी शिकायत के आधार पर नौकरी से हटाए गए डाटा एंट्री ऑपरेटर अभय शर्मा ने की बहाली की मांग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जून (पुनीत महाजन)

आयकर विभाग, लुधियाना क्षेत्र, चंडीगढ़ के अंतर्गत कार्यरत रहे डाटा एंट्री ऑपरेटर अभय शर्मा ने अपने सेवा समाप्ति आदेश के खिलाफ तत्काल बहाली की मांग उठाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें एक झूठी शिकायत के आधार पर बिना किसी निष्पक्ष जांच और पर्याप्त साक्ष्य के नौकरी से हटा दिया गया। अभय शर्मा के अनुसार, सेवा प्रदाता जगदीश सिंह तनवर द्वारा पुलिस विभाग में दर्ज कराई गई शिकायत में उनके अनुभव प्रमाण पत्र को जाली बताया गया, जबकि इस संबंध में कोई प्रमाणित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। उनका कहना है कि आयकर विभाग, लुधियाना/चंडीगढ़ को भी ऐसा कोई सत्यापित प्रमाण प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे उनके विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध होते हों।

उन्होंने बताया कि अमन सिक्योरिटी कंपनी द्वारा मई 2026 में उन्हें सेवा से हटा दिया गया और उनके स्थान पर अन्य व्यक्ति की नियुक्ति कर दी गई। उनका कहना है कि बिना निष्पक्ष जांच के रोजगार समाप्त करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए शर्मा ने चंडीगढ़ पुलिस प्रशासन के समक्ष आरटीआई आवेदन

संख्या PODEP/R/E/26/00497, दिनांक 06 जून 2026 दायर किया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई के माध्यम से प्राप्त होने वाले दस्तावेज एवं साक्ष्य विभाग के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि यह नौकरी उनके परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन है। उन्होंने संविधान में प्रदत्त समानता एवं प्राकृतिक न्याय के अधिकारों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को दोषी सिद्ध होने से पहले दोषी नहीं माना जा सकता।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निम्नलिखित मांगें की हैं

1. जांच पूरी होने तक उन्हें तत्काल प्रभाव से ड्यूटी पर बहाल किया जाए।
2. झूठी शिकायत दर्ज कराकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।
3. अगले दो कार्य दिवसों के भीतर बहाली संबंधी आदेश जारी किए जाएं।

अभय शर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति कार्यालय, केंद्रीय उप मुख्य श्रम आयुक्त, चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा आयकर विभाग के अतिरिक्त आयुक्त से हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की अपील की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संबंधित विभाग निष्पक्ष जांच कर उन्हें न्याय प्रदान करेगा। अब इस बात पर कितनी सच्चाई है यह तो पूरी छानबीन होने के बाद ही पता चलेगा

किसानों के लिए वर्तमान में कृषि सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं उर्वरक : डा. आदित्य प्रताप

कुरुक्षेत्र, 7 जून (बृज मोहन) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा. आदित्य प्रताप ने कहा कि जिला के किसानों के लिए वर्तमान में कृषि सीजन के लिए उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि उर्वरक केवल अधिकृत विक्रेताओं एवं पैक्स समितियों से ही खरीदें। यदि कोई विक्रेता उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद जबरन लेने के लिए बाध्य करता है (टैगिंग) तो इसकी सूचना तुरंत कृषि विभाग को दें। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिले में डीएपी 2450 मीट्रिक टन और यूरिया 11200 मीट्रिक टन उर्वरकों की उपलब्धता है। ये उर्वरक निजी विक्रेताओं एवं सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त कल लगभग 1200 मीट्रिक टन यूरिया की एनएफएल रैक जिले में प्राप्त होगी, जिससे आपूर्ति व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

उन्होंने कहा कि जिले में अनुमानित धान 3,15,000 एकड़, गन्ना 30,000 एकड़ के अलावा चारा, मक्का, मूंग एवं सब्जियां फसलों के क्षेत्र मौजूद हैं। वर्तमान उपलब्धता एवं आगामी आपूर्ति को देखते हुए जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेतों का मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि उर्वरकों की प्राप्ति में किसी प्रकार की समस्या न हो। उर्वरकों का उपयोग सिफारिशी मात्रा के अनुसार ही करें। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अनावश्यक भंडारण (स्टॉक) या घबराहट में खरीदारी न करें।

उन्होंने कहा कि संतुलित पोषण हेतु जैविक खाद एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का भी उपयोग करें, जिससे मिट्टी की उर्वरता एवं उत्पादन बढ़ेगा। कृषि विभाग सभी किसानों को आश्वस्त करता है कि पूरे सीजन के दौरान उर्वरकों की आपूर्ति एवं उपलब्धता सुचारू रूप से बनी रहेगी। किसी भी प्रकार की जानकारी या शिकायत हेतु किसान अपने नजदीकी कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

सेक्टर-46 सी के प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपी गुरजीत कौर व एसएचओ शादीलाल से की मुलाकात, सुरक्षा व जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जून (पुनीत महाजन)

सेक्टर-46 सी के निवासियों की समस्याओं और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रेजिडेंट वेलफेयर कमेटी (आरडब्ल्यूसी) सेक्टर-46 सी के अध्यक्ष नरेंद्र भाटिया और मुख्य संरक्षक जतिंदर भाटिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपी गुरजीत कौर तथा थाना सेक्टर-34 के एसएचओ शादी लाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान क्षेत्रवासियों की ओर से दोनों अधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

बैठक के दौरान सेक्टर-46 सी में कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी बढ़ाने तथा सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने

जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र के निवासियों की चिंताओं और सुझावों से अधिकारियों को अवगत कराया, वहीं अधिकारियों ने भी सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

आरडब्ल्यूसी पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा। उन्होंने डीएसपी गुरजीत कौर और एसएचओ शादी लाल की कार्यशैली, जनसहयोग की भावना तथा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

डीएसपी गुरजीत कौर और एसएचओ शादी लाल ने भी निवासियों के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि पुलिस विभाग नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर-46 सी के प्रधान आर.के. अटवाल, हेमराज शर्मा, ए.एस. अबरॉय, डॉ. सी.के. जयराथ, नरेश राठौर, मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-46 बी के अध्यक्ष बलविंदर सिंह उत्तम, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के डिंपल चावला, पवन गुप्ता तथा दलजीत सिंह सोढ़ी सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने अंत में पुलिस अधिकारियों का समय देने और क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और भविष्य में भी पुलिस-जन संवाद को लगातार जारी रखने पर सहमति बनी।

पत्रकार हितों के लिए आगे आई एमडब्ल्यूबी, परिवहन मंत्री अनिल विज को सौंपा मांगपत्र

फ्री बस यात्रा की सीमा खत्म करने, सीटें आरक्षित करने और सभी एसी बसों में यात्रा की अनुमति देने की मांग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
07 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज को मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन (एमडब्ल्यूबी) के उत्तर भारत अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी ने पत्रकार हितों से जुड़ा एक विस्तृत मांगपत्र सौंपा है। मांगपत्र में हरियाणा के मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिलने वाली परिवहन सुविधाओं में विस्तार करने का आग्रह किया गया है।

धरणी ने कहा कि वर्तमान में मान्यता प्राप्त पत्रकारों को हरियाणा रोडवेज बसों में 4,000 किलोमीटर तक निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध है, जबकि पुलिस कर्मचारियों को असीमित यात्रा की छूट प्राप्त है। देश के कई राज्यों में भी मान्यता प्राप्त पत्रकारों पर किलोमीटर की कोई सीमा लागू नहीं है। ऐसे में हरियाणा सरकार को भी पत्रकारों के लिए यह सीमा समाप्त कर असीमित यात्रा की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

मांगपत्र में यह भी कहा गया है कि पहले हरियाणा रोडवेज, डीलक्स तथा वोल्वो बसों में पत्रकारों के लिए दो सीटें आरक्षित रहती थीं, लेकिन वर्तमान में यह व्यवस्था समाप्त हो चुकी है। संगठन ने मांग की है कि सभी रोडवेज बसों में मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए पुनः दो सीटें आरक्षित की जाएं। इसके अलावा ग्रीन बसों तथा सभी एसी बसों में भी पत्रकारों को निःशुल्क यात्रा की अनुमति प्रदान की जाए।

वरिष्ठ पत्रकारों के सम्मान की अनूठी पहल - धरणी ने बताया कि मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन देश की ऐसी अग्रणी संस्था है जिसने वरिष्ठ पत्रकारों के योगदान और त्याग को सम्मान देने की नई परंपरा शुरू की है। संस्था अपने प्रत्येक प्रमुख कार्यक्रम में 60 वर्ष से अधिक आयु के तीन वरिष्ठ पत्रकारों को मुख्य अतिथि के हाथों सम्मानित करवाती है। सम्मानित पत्रकारों को संस्था की ओर से नकद सम्मान राशि भी प्रदान की जाती है।

इसके लिए संस्था ने वरिष्ठ पत्रकार दीपक मिगलानी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय अवार्ड चयन समिति गठित की हुई है। समिति प्राप्त आवेदनों का गहन अध्ययन और विचार-विमर्श करने के बाद पात्र पत्रकारों का चयन

करती है। समिति की अनुशंसा के पश्चात संस्था के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी अंतिम स्वीकृति प्रदान करते हैं।

हरियाणा गौरव अवार्ड से प्रतिभाओं का सम्मान - संस्था केवल पत्रकारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हरियाणा की धरती पर जन्मी और विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाली प्रतिभाओं को भी हरियाणा गौरव अवार्ड देकर सम्मानित करती है। संस्था समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शख्सियतों को प्रोत्साहित करती है।

मुफ्त बीमा सुविधा देने वाली पहली पत्रकार संस्था - एमडब्ल्यूबी को पत्रकारों के लिए निशुल्क बीमा सुविधाएं उपलब्ध करवाने वाली पहली संस्था माना जाता है। संगठन अपने सदस्यों को समय-समय पर सपरिवार कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस, दुर्घटना बीमा तथा टर्म इंश्योरेंस जैसी योजनाओं का लाभ प्रदान करता है। विशेष बात यह है कि जहां अधिकांश संस्थाएं बीमा योजनाओं के नाम पर पत्रकारों से कुछ न कुछ शुल्क लेती हैं, वहीं एमडब्ल्यूबी किसी भी प्रकार के बीमा लाभ के बदले कोई शुल्क नहीं लेती। संस्था की इस पहल ने पत्रकार परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। हाल ही में संस्था द्वारा करवाई गई एक बीमा पॉलिसी के माध्यम से एक दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार के परिवार को बीमा कंपनी से 10 लाख रुपये की सहायता राशि दिलवाई गई, जिससे संगठन की प्रतिबद्धता और सामाजिक सरोकारों का परिचय मिलता है।

आर्थिक सहायता में भी अग्रणी

मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन केवल बीमा योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद पत्रकारों और उनके परिवारों की आर्थिक सहायता भी लगातार करती रही है। पिछले चार वर्षों में हरियाणा और चंडीगढ़ के तीन दर्जन से अधिक पत्रकारों एवं उनके परिवारों को 30 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है।

बीमारी, दुर्घटना, पारिवारिक संकट अथवा अन्य आपात परिस्थितियों में संस्था जरूरतमंद पत्रकारों के साथ खड़ी होकर आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि आज प्रदेशभर में हजारों पत्रकार इस संगठन से जुड़े हुए हैं और इसे पत्रकार कल्याण के क्षेत्र में एक विश्वसनीय मंच के रूप में देखा जाता है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का संपादकीय

कई फायदों वाली प्लास्टिक मुद्रा

यूपीआई और डिजिटल पेमेंट की क्रांति ने निस्संदेह भारत के वित्तीय परिदृश्य को नया रूप दिया है। आज देश भर में हर महीने लगभग 20 अरब से अधिक लोग यूपीआई का प्रयोग करते हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसा भारत भी है, जहां किसान, मजदूर, स्थानीय बाजार, छोटे दुकानदार से लेकर ग्रामीण समुदाय आदि लेनदेन नकद में ही करते हैं। इससे नकद मुद्रा की मांग कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। आरबीआई के अनुसार 11.5 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ मुद्रा की मांग 42.86 ट्रिलियन (लाख करोड़) रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। वर्ष 2024-25 में नोटों की छपाई पर 6372.8 करोड़ रुपये खर्च हुए। वर्ष 2024-25 में 23.8 अरब खराब नोट नष्ट किए गए, जो पिछले साल के 21.24 अरब नोटों के मुकाबले 12.3 प्रतिशत ज्यादा थे। हर साल हजारों करोड़ रुपये नोट छापने और नष्ट करने में खर्च होते रहेंगे, जब तक की कोई ठोस विकल्प नहीं अपनाया जाता। प्लास्टिक नोट इसका ठोस विकल्प देते हैं।

प्लास्टिक नोट पालीप्रोपाइलीन नामक एक विशेष सिंथेटिक प्लास्टिक से बनते हैं। ये साधारण नोट जैसे ही लगते हैं, लेकिन इनकी उम्र पांच से सात गुना अधिक होती है। प्लास्टिक नोट पानी, गंदगी और फटने के प्रति काफी ज्यादा प्रतिरोधी होते हैं। लंबे समय तक अपनी बनावट बनाए रखते हैं। नमी वाले तटीय इलाकों से लेकर धूल भरे इलाकों तक में ये टिकाऊ होते हैं। इसका एक और बड़ा फायदा सुरक्षा के मामले में है। आज के समय में नकली करेंसी दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

प्लास्टिक के नोट सुरक्षा बढ़ाने के सबसे असरदार तरीकों में से एक बनकर उभरे हैं, क्योंकि इन नोटों में माइक्रो-आप्टिक विशेषताएं, होलोग्राफिक तत्व और खास तरह की स्याही इन्हें विशिष्टता प्रदान करती हैं। इन विशेषताओं की नकल करना न सिर्फ मुश्किल होता है, बल्कि आम लोगों के लिए इन्हें पहचानना भी आसान होता है। प्लास्टिक के नोटों की चिकनी सतह पर सूक्ष्मजीव उतनी आसानी से नहीं टिक पाते हैं। आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, रोमानिया सहित लगभग 60 देशों में प्लास्टिक मुद्रा चलन में है। भारत प्लास्टिक मुद्रा पर 2009 से विचार कर रहा है। 2012 में कोच्चि, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला में दस रुपये के प्लास्टिक नोट के परीक्षण की बात हुई थी, परंतु तब योजना शुरू होने से पहले ही अधर में लटक गई थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। आज का भारत पूरी तरह से प्लास्टिक नोटों के लिए तैयार है, परंतु आरबीआई को क्रमबद्ध और दृढ़ता से परिपूर्ण कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, घरेलू छपाई क्षमता विकसित करनी होगी। भारतीय मुद्रणालयों- नासिक, देवास, मैसुरु और सालबोनी को प्लास्टिक कागज पर मुद्रण के लिए तकनीकी रूप से तैयार करना होगा। चाहे किसी भी देश से तकनीकी सहयोग लिया जाए, परंतु छपाई में स्वनिर्भरता अनिवार्य है। दूसरे कदम के रूप में चरणबद्ध तरीके से दस और बीस रुपये के नोटों से ही पायलट परीक्षण की शुरुआत करनी चाहिए, क्योंकि ये सर्वाधिक प्रचलित और सबसे जल्दी खराब होने वाले नोट हैं। अलग-अलग जलवायु वाले शहरों में इनका परीक्षण हो, जहां नमी भी हो, मैदानी गर्मी भी और पहाड़ी ठंड भी। तीसरा और व्यावहारिक कदम होगा एटीएम अवसंरचना के आधुनिकीकरण एवं मशीनों को अपग्रेड करने की तैयारी। बैंकों और एटीएम निर्माताओं के साथ मिलकर एक टाइमलाइन बनाई जाए। चौथी जरूरत है जन-जागरूकता की। प्लास्टिक के नोट कैसे दिखते हैं, कैसे पहचाने जाते हैं, इनकी असली-नकली की जांच कैसे होती है, यह जानकारी आम जनता तक आसान भाषा में, और जरूरी हो तो क्षेत्रीय भाषाओं में पहुंचाई जाए। पांचवें कदम के रूप में प्लास्टिक के पुराने नोटों के निपटान की पर्यावरण-सम्मत योजना बनाई जानी चाहिए, जिससे प्लास्टिक नोटों को पुनर्चक्रित किया जा सके।

जब अस्थि विसर्जन से पहले ही जीवन विसर्जित हो गया

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

दुखों का पहाड़ गिर गया जब एक मातम खत्म नहीं हुआ था दूसरा शुरू हो गया।

मातम की खामोशी अभी टूटी भी नहीं थी कि मातम फिर छा गया। रूह कांप जाती है जब खबर लगी होगी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए।

जिनके साथ वो अस्थियां भेजी थीं, वे खुद लौटने लायक नहीं बचे- तब उस घर में कैसा करुण क्रंदन मचा होगा।

जिस घर में एक अपन की तेरहवीं की तैयारी हो रही थी, उसी आंगन में नौ और चिताएं सज गईं। मां की छाती पर हाथ रखकर वो चीख निकली होगी जो शब्दों में नहीं उतरती। बच्चों ने पूछा होगा-पापा कब आएंगे? और जवाब में सिर्फ सन्नाटा मिला होगा।

बूढ़े बाप की आंखें सूख गई होंगी, क्योंकि अब रोने के लिए भी आंसू नहीं बचे।

उस पल कायनात भी थम गई होगी।

हवा ने सांस रोक ली होगी, पेड़ों के पत्ते भी सहम गए होंगे। आसमान बादलों से ढक गया होगा, जैसे खुद बादल भी उस दर्द को देखकर रो पड़े हों। एक पल में हंसी, उम्मीद, और परिवार-सब मिट गया। और रह गया सिर्फ वो शोर, जो दिल के भीतर गूंजता रहता है...

जो न शब्द बन पाता है, न आंसू बनकर बह पाता है।

श्रद्धा की यात्रा, जो आखिरी बन गई

हिंदू परंपरा में मृत्यु के बाद के संस्कारों को जीवन का सबसे पवित्र कर्तव्य माना गया है। शास्त्र कहते हैं कि जब तक व्यक्ति की अस्थियां पवित्र नदी के जल में प्रवाहित नहीं होतीं, आत्मा को पूर्ण मुक्ति नहीं मिलती। यही कारण है कि श्राद्ध, तेरहवीं और अस्थि विसर्जन केवल रीति-रिवाज़ नहीं रहते, वे श्रद्धा और भावना से जुड़े अनुष्ठान बन जाते हैं।

लोग पंजाब के गांवों से, हरियाणा के कस्बों से, हिमाचल की पहाड़ियों से चलकर गंगा, यमुना, सतलुज और व्यास के तटों तक पहुंचते हैं। बस, ट्रेन, टैक्सी-जो साधन मिले उसी से निकल पड़ते हैं। उनके मन में एक ही भाव होता है- कम से कम आखिरी फर्ज तो निभा दें। यह यात्रा शोक की होती है, लेकिन उसमें एक अजीब सी तसल्ली भी होती है। लगता है जैसे अब आत्मा को शांति मिलेगी, और हमारा कर्तव्य पूरा होगा।

जलालाबाद का वह परिवार भी 6 जून की सुबह ऐसी ही यात्रा पर निकला था। घर में किसी बुजुर्ग का देहांत हुआ था। रिवाज़ के अनुसार अस्थियां व्यास नदी में विसर्जित करनी थीं। रात भर जागकर सामान बांधा गया, बच्चों को समझाया गया कि शोर मत करना, यह शोक की यात्रा है। मन भारी था, आंखें सूजी थीं, लेकिन दिल में यही सुकून था कि कम से कम अंतिम संस्कार तो पूरे हो जाएंगे।

सुबह की हल्की धूप में महिंद्रा पिकअप चली। आगे बुजुर्ग बैठे थे, पीछे महिलाएं और बच्चे। कोई चुप था, कोई धीमी आवाज़ में राम नाम ले रहा था, कोई बीते दिनों की बातें याद कर रहा था। रास्ते में चाय के ढाबे पर रुकना था, व्यास के किनारे पंडित जी इंतज़ार कर रहे थे। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यह रास्ता उनकी अपनी आखिरी यात्रा बन जाएगा।

एक मोड़ ने सब बदल दिया

फिरोजपुर के फाजिल्का रोड पर जंगा वाला मोड़ पंजाब के सबसे खतरनाक जंक्शनों में गिना जाता है। यहां से रोज़ सैकड़ों ट्रक, बसें और छोटे वाहन गुजरते हैं। मोड़ तीखा है, और दृश्यता कम। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 9 बजे सामने से आते तेज रफ्तार ट्रक ने नियंत्रण खो दिया। ब्रेक की आवाज़, टायरों का चीखना, और फिर धमाका।

टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। लोहे और मांस का अंतर मिट गया। जो अस्थियां शांति पाने जा रही थीं, उनके साथ जाने वाले लोग खुद ही शांति में समा गए। मौके पर 9 लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कुछ ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई। खेतों में काम कर रहे किसान भागे, दुकानदार बाहर निकले। लोगों ने लोहे को काटकर घायलों को निकाला, पानी पिलाया, एंबुलेंस को फोन किया। लेकिन कई के लिए बहुत देर हो चुकी थी। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन उस परिवार के लिए अब जांच से कुछ नहीं बदलेगा।

जब आंकड़े रिश्ते बन जाते हैं

सरकारी फाइलों में यह सिर्फ एक और सड़क हादसा दर्ज होगा। लेकिन हकीकत में यह 9 परिवारों का उजड़ना है। यह उन बच्चों का अनाथ होना है जो सुबह तक दादा-दादी की गोद में बैठे थे। यह उस घर की खामोशी है जहां अब कभी हंसी नहीं लौटेगी।

जो लोग मुक्ति दिलाने निकले थे, वे खुद बंधन से मुक्त हो गए। जो लोग शांति की तलाश में निकले थे, उनकी यात्रा ही अशांति में बदल गई। यह संयोग इतना कड़वा है कि सुनकर रूह कांप जाती है। मानव मन भविष्य को लेकर हमेशा आश्वस्त रहता है। हम सोचते हैं अभी समय है, अभी काम पूरे करने हैं, अभी विदाई बाकी है। लेकिन सड़क पर एक सेकेंड की लापरवाही उस सारे अभी को खत्म कर देती है। भारत में हर साल लगभग 1.5 लाख लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं। यह संख्या युद्ध, आतंकवाद और प्राकृतिक आपदाओं से मरने वालों की संख्या से कहीं अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट कहती है कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। फिर भी हम इसे हादसा कहकर भूल जाते हैं।

फिरोजपुर का यह हादसा कोई अकेला मामला नहीं है। तेज रफ्तार, नशे में गाड़ी चलाना, ओवरलोडिंग, थकान और लापरवाही यही मुख्य कारण हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर मोड़ और जंक्शन सबसे खतरनाक जगह होते हैं। चालक अक्सर गति कम नहीं करते, ओवरटेकिंग करते हैं, और हॉर्न पर भरोसा करके निकल जाते हैं।

परंपरा और रफ्तार का टकराव

भारत में हम परंपरा को बहुत मानते हैं। अस्थि विसर्जन, श्राद्ध, तेरहवीं ये सब हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं। लेकिन आधुनिकता ने हमें रफ्तार दे दी है। हम समय बचाने के चक्कर में जीवन गंवा बैठते हैं।

पहले लोग बैलगाड़ी से जाते थे। यात्रा तीन दिन की होती थी, लेकिन सुरक्षित होती थी। रास्ते में पड़ाव पड़ते थे, लोग मिलते थे, बातें होती थीं। आज 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार है, लेकिन सड़कें, नियम और अनुशासन उसी रफ्तार से नहीं बढ़े। हम तकनीक में आगे बढ़ गए, लेकिन संवेदना में पीछे रह गए।

इस हादसे को देखकर लगता है कि हमें रुककर सोचना होगा। क्या एक घंटे जल्दी पहुंचना 9 ज़िंदगियों से ज्यादा कीमती है। क्या ओवरटेकिंग के चक्कर में किसी की पूरी दुनिया खत्म करना जायज़ है। जब तक हम जीवन को सस्ता समझते रहेंगे, तब तक ऐसे हादसे होते रहेंगे।

जिम्मेदारी किसकी

हादसे के बाद सबसे आसान काम है चालक को दोष देना। लेकिन जिम्मेदारी सिर्फ उसकी नहीं है। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि सड़कों पर स्पीड लिमिट, स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड और पुलिस की उपस्थिति हो। जंगा वाला मोड़ जैसे खतरनाक पॉइंट्स को चिन्हित करके सुधारना चाहिए। ब्लैक स्पॉट की पहचान करके वहां सीसीटीवी और ट्रैफिक पुलिस तैनात करनी चाहिए।

वाहन मालिकों को ओवरलोडिंग और थके हुए चालकों से गाड़ी चलवाना बंद करना चाहिए। 18 घंटे लगातार स्टीयरिंग पर बैठा चालक किसी बम से कम खतरनाक नहीं होता। समाज के तौर पर हम भी कम दोषी नहीं हैं। हम खुद हेलमेट नहीं पहनते, सीट बेल्ट नहीं लगाते, फोन पर बात करते हुए गाड़ी चलाते हैं।

जब तक हम खुद नहीं बदलेंगे, कुछ नहीं बदलेगा। हर चालक को यह समझना होगा कि स्टीयरिंग पर उसका हाथ सिर्फ उसकी ज़िंदगी नहीं, कई ज़िंदगियों को नियंत्रित कर रहा है। एक गलती और पूरा गांव मातम में डूब जाता है।

अब क्या बचा

आज जलालाबाद के उस घर में सन्नाटा है। जहां कल तक जल्दी लौटना कहा गया था, वहां अब कभी न लौटने का सच मुंह बाए खड़ा है। जिस आंगन में तेरहवीं की तैयारी होनी थी, वहां अब दोहरी चिता जलेगी। जो लोग श्रद्धा लेकर निकले थे, वे खुद श्रद्धांजलि बन गए।

इस हादसे से तीन बातें सीखनी चाहिए। पहली, जीवन अनिश्चित है। इसलिए जो कहना है, जो करना है, वह आज ही कर लो। कल का भरोसा नहीं। दूसरी, सड़क युद्ध का मैदान नहीं है। यहां जीतने वाले भी हार जाते हैं। धीमी गति, संयम और नियमों का पालन ही असली जीत है। तीसरी, मृत्यु पर हमारा वश नहीं, लेकिन सावधानी पर वश है। हम अस्थि विसर्जन की तारीख तो तय कर सकते हैं, लेकिन अपनी मृत्यु की नहीं।

यह लेख किसी को दोष देने के लिए नहीं लिखा गया। यह एक चेतावनी है। एक याद दिलाना है कि ज़िंदगी सबसे बड़ा उपहार है। इसे रफ्तार की भेंट न चढ़ाएं।

काश, अगली बार जब कोई परिवार अस्थि विसर्जन के लिए निकले, तो वे सुरक्षित लौटें। काश, अगली बार किसी मोड़ पर ब्रेक लगे, न कि ज़िंदगी पर। क्योंकि सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति के पीछे एक घर, एक कहानी और एक उम्मीद होती है। उसे मिटाना किसी का अधिकार नहीं।

डिजिटल युग में खाद्य सुरक्षा की नई चुनौतियाँ

विशाल कल्याण

मानव जीवन के लिए भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता का आधार है। सुरक्षित भोजन प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है और स्वस्थ समाज की नींव भी। इसी महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल युग की ओर बढ़ रही है, तब खाद्य उत्पादन, वितरण और उपभोग के तरीके भी बदल रहे हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा प्रबंधन और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं ने खाद्य क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। हालांकि इन नवाचारों ने सुविधा और दक्षता बढ़ाई है, लेकिन इनके साथ खाद्य सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। डिजिटल युग में खाद्य सुरक्षा केवल भोजन की गुणवत्ता तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसमें तकनीकी, साइबर, नियामक और उपभोक्ता जागरूकता से जुड़े अनेक पहलू शामिल हो गए हैं। डिजिटल युग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि आज उपभोक्ता घर बैठे मोबाइल एप्लिकेशन या वेबसाइट के माध्यम से भोजन और खाद्य उत्पाद खरीद सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवाओं ने शहरी जीवन को अत्यंत सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर नए प्रश्न भी खड़े हुए हैं। उपभोक्ता भोजन तैयार करने की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देख पाते, जिससे वे पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी पर निर्भर हो जाते हैं। कई बार उत्पादों की गुणवत्ता, निर्माण तिथि, भंडारण की स्थिति या पोषण संबंधी जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं होती, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का वैश्वीकरण भी एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरा है। आज एक खाद्य उत्पाद के कच्चे माल कई देशों से आ सकते हैं और अंतिम उत्पाद किसी अन्य देश में तैयार हो सकता है। इस जटिल आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी स्तर पर हुई त्रुटि लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। डिजिटल प्रणालियाँ आपूर्ति श्रृंखला की निगरानी में सहायता करती हैं, लेकिन यदि डेटा गलत हो, अधूरा हो या उसमें हेरफेर किया जाए, तो खाद्य सुरक्षा के गंभीर जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए डिजिटल डेटा की विश्वसनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

डिजिटल युग में खाद्य सुरक्षा के सामने साइबर सुरक्षा का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। आधुनिक खाद्य उद्योग उत्पादन, भंडारण और वितरण के लिए स्वचालित प्रणालियों तथा इंटरनेट आधारित तकनीकों पर निर्भर हो गया है। यदि साइबर अपराधी इन प्रणालियों में सेंध लगा दें, तो उत्पादन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, खाद्य गुणवत्ता संबंधी डेटा में बदलाव किया जा सकता है या आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है। ऐसे हमले न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को भी खतरे में डाल सकते हैं। इसलिए खाद्य उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा अब एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकें खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएँ लेकर आई हैं। इनकी सहायता से खाद्य गुणवत्ता की निगरानी, दूषित उत्पादों की पहचान और जोखिमों का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। लेकिन इन तकनीकों पर अत्यधिक निर्भरता भी चुनौतियाँ पैदा करती है। यदि एल्गोरिदम गलत डेटा पर आधारित हों या तकनीकी त्रुटियाँ हों, तो निर्णय भी गलत हो सकते हैं। इसलिए मानव विशेषज्ञता और तकनीकी नवाचार के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

डिजिटल युग में खाद्य मिलावट और नकली उत्पादों की समस्या ने भी नया स्वरूप ले लिया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई बार ऐसे उत्पाद बिकते हैं जिनकी गुणवत्ता संदिग्ध होती है या जिन पर गलत जानकारी दी जाती है। उपभोक्ता आकर्षक विज्ञापनों और भ्रामक दावों के कारण ऐसे उत्पाद खरीद लेते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत जानकारियाँ भी उपभोक्ताओं को भ्रमित करती हैं। कई बार बिना वैज्ञानिक प्रमाण के स्वास्थ्य संबंधी दावे किए जाते हैं, जिससे लोग गलत खाद्य विकल्प चुन लेते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही और नियामक निगरानी को मजबूत करना आवश्यक है।

खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में डेटा प्रबंधन एक और महत्वपूर्ण चुनौती है। आधुनिक खाद्य उद्योग बड़ी मात्रा में डेटा का उपयोग करता है, जिसमें उत्पादन, गुणवत्ता परीक्षण, भंडारण, परिवहन और उपभोक्ता प्रतिक्रिया से संबंधित जानकारी शामिल होती है। यदि यह डेटा सुरक्षित न रहे या उसमें हेरफेर हो जाए, तो खाद्य सुरक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के साथ-साथ उसके सही उपयोग को सुनिश्चित करना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी डिजिटल युग में खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं। तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, प्राकृतिक आपदाएँ और नई बीमारियाँ खाद्य उत्पादन को प्रभावित करती हैं। डिजिटल तकनीकें इन जोखिमों की निगरानी और पूर्वानुमान में मदद कर सकती हैं, लेकिन इनके प्रभावी उपयोग के लिए पर्याप्त तकनीकी संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। विकासशील देशों में तकनीकी असमानता के कारण इन लाभों का समान रूप से उपयोग नहीं हो पाता, जिससे खाद्य सुरक्षा के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होती है। उपभोक्ता जागरूकता की कमी भी एक गंभीर चुनौती है। डिजिटल माध्यमों पर उपलब्ध सूचनाओं की प्रचुरता के बावजूद सभी उपभोक्ता खाद्य लेबल, पोषण संबंधी जानकारी या सुरक्षा मानकों को समझने में सक्षम नहीं होते। कई लोग केवल कीमत या विज्ञापन के आधार पर खाद्य उत्पाद खरीद लेते हैं। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ताओं को डिजिटल साक्षरता और खाद्य साक्षरता दोनों के प्रति जागरूक बनाना आवश्यक है। जब उपभोक्ता सही जानकारी के आधार पर निर्णय लेंगे, तभी खाद्य सुरक्षा प्रणाली अधिक प्रभावी बन सकेगी।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकारों, उद्योगों, वैज्ञानिक संस्थानों और उपभोक्ताओं के बीच सहयोग आवश्यक है। खाद्य नियामक संस्थाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्मों की निगरानी मजबूत करनी चाहिए तथा ऑनलाइन बिक्री वाले खाद्य उत्पादों के लिए स्पष्ट मानक निर्धारित करने चाहिए। ब्लॉकचेन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता और ट्रेसबिलिटी बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियाँ खाद्य जोखिमों की समय रहते पहचान करने में सहायक हो सकती हैं। साथ ही, साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाकर डिजिटल प्रणालियों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षित भोजन केवल खाद्य उद्योग या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक साझा दायित्व है। डिजिटल युग ने खाद्य सुरक्षा के नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसके साथ नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। तकनीकी नवाचार तभी सार्थक होंगे जब वे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। भविष्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और जागरूकता का समन्वय आवश्यक होगा। सुरक्षित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण की अनिवार्य शर्त है। डिजिटल युग में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करके ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

बढ़ती आगजनी की घटनाएं और जलती जिंदगियां: सुरक्षा के प्रति लापरवाही की भारी कीमत

मोती राम चौहान
करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

भारत आज विकास, तकनीक और आधुनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट सिटी, आधुनिक अस्पताल, बहुमंजिला इमारतें, बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल और औद्योगिक परियोजनाएं देश की प्रगति का प्रतीक मानी जाती हैं। लेकिन इस चमकते विकास के पीछे एक ऐसा खतरा भी लगातार बढ़ रहा है, जो हर वर्ष हजारों लोगों की जान ले रहा है। यह खतरा है आगजनी की बढ़ती घटनाओं का। देश के विभिन्न हिस्सों से आए दिन आग लगने की खबरें सामने आती हैं। कहीं अस्पताल में आग लग जाती है, कहीं फैक्ट्री धधक उठती है, तो कहीं रिहायशी इमारतों में लगी आग पूरे परिवार को तबाह कर देती है। इन घटनाओं में केवल आर्थिक नुकसान नहीं होता, बल्कि कई मासूम जिंदगियां हमेशा के लिए बुझ जाती हैं।

हाल के वर्षों में अस्पतालों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और बहुमंजिला इमारतों में लगी आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से अस्पतालों में होने वाले अग्निकांड सबसे अधिक चिंताजनक हैं। अस्पताल वह स्थान है जहां लोग जीवन बचाने की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, लेकिन जब वहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण आग लगती है, तो मरीजों के लिए बच निकलना लगभग असंभव हो जाता है। आईसीयू में भर्ती मरीज, ऑक्सीजन सपोर्ट पर निर्भर रोगी, नवजात शिशु और बुजुर्ग आग और धुएं के बीच सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। कई बार आग से ज्यादा जानलेवा धुआं साबित होता है, जो कुछ ही मिनटों में पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लेता है।

आगजनी की घटनाओं के पीछे अनेक कारण हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण सुरक्षा नियमों की अनदेखी है। विशेषज्ञों के अनुसार देश में होने वाली लगभग आधी आग की घटनाओं के पीछे शॉर्ट-सर्किट और विद्युत प्रणाली की खराबी जिम्मेदार होती है। पुराने तार, ओवरलोडिंग, घटिया गुणवत्ता की वायरिंग और नियमित निरीक्षण का अभाव बड़े हादसों को जन्म देता है। इसके अलावा गैस सिलेंडर का रिसाव, रसायनों का असुरक्षित भंडारण, ज्वलनशील पदार्थों की गलत तरीके से हैंडलिंग तथा आग से बचाव के उपकरणों का अभाव भी दुर्घटनाओं की संभावना को बढ़ाता है।

एक और गंभीर समस्या अवैध निर्माण और अनियोजित शहरीकरण है। कई शहरों में रिहायशी क्षेत्रों के बीच अवैध रूप से गोदाम, कारखाने और व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित किए जा रहे हैं। इन स्थानों पर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता। संकरी गलियां, अवरुद्ध रास्ते और अपर्याप्त निकासी व्यवस्था आग लगने की स्थिति में राहत कार्यों को कठिन बना देती हैं। कई बार अग्निशमन विभाग की गाड़ियां घटनास्थल तक समय पर नहीं पहुंच पातीं, जिससे नुकसान और बढ़ जाता है।

अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में फायर सेफ्टी को लेकर स्थिति और भी चिंताजनक है। कई संस्थान केवल कागजों पर फायर एनओसी प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन बाद में सुरक्षा उपायों का रखरखाव नहीं करते। अग्निशमन यंत्र वर्षों तक बिना जांच के पड़े रहते हैं। आपातकालीन निकास द्वारों को बंद रखा जाता है या उनमें सामान भर दिया जाता है। फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर या तो लगाए ही नहीं जाते या फिर खराब स्थिति में होते हैं। जब कोई हादसा होता है, तब यह लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर वर्ष हजारों आगजनी की घटनाएं दर्ज होती हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और मजदूर वर्ग के लोग प्रभावित होते हैं। घरेलू आगजनी की घटनाओं में रसोई गैस, मिट्टी के तेल और बिजली के उपकरणों की खराबी प्रमुख कारण होती है।

आग की चपेट में आने वाले लोगों का जीवन पूरी तरह बदल जाता है। गंभीर रूप से झुलसे मरीजों का इलाज लंबा, जटिल और अत्यंत महंगा होता है। कई मरीजों को महीनों अस्पताल में रहना पड़ता है। त्वचा प्रत्यारोपण, प्लास्टिक सर्जरी और पुनर्वास की प्रक्रिया न केवल आर्थिक रूप से भारी होती है, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद कठिन होती है। जो लोग जीवित बच जाते हैं, उन्हें अक्सर स्थायी शारीरिक विकलांगता, चेहरे की विकृति और मानसिक आघात का सामना करना पड़ता है। उनके परिवारों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

भारत में बर्न केयर सुविधाओं की स्थिति अभी भी संतोषजनक नहीं है। अधिकांश जिलों में आधुनिक बर्न यूनिट्स उपलब्ध नहीं हैं। स्किन बैंक की संख्या भी बहुत सीमित है। परिणामस्वरूप गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को समय पर उचित उपचार नहीं मिल पाता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश में बर्न केयर सुविधाओं का विस्तार किया जाए और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाए तो अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है।

इस समस्या का समाधान केवल हादसों के बाद मुआवजा घोषित करने या जांच बैठाने से नहीं होगा। सबसे पहले सुरक्षा को विकास का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। प्रत्येक अस्पताल, स्कूल, होटल, मॉल, सिनेमा हॉल और व्यावसायिक भवन का नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट होना चाहिए। जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। फायर एनओसी को केवल औपचारिक दस्तावेज न मानकर उसकी नियमित समीक्षा आवश्यक है।

इसके साथ ही लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों और अस्पतालों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। कर्मचारियों और आम नागरिकों को यह सिखाया जाना चाहिए कि आग लगने की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया दें, कैसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालें और प्रारंभिक अग्निशमन उपकरणों का उपयोग कैसे करें। ऐसी छोटी-छोटी तैयारियां बड़े हादसों में अनेक जिंदगियां बचा सकती हैं।

तकनीक का उपयोग भी आगजनी की घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आधुनिक भवनों में स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म, ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर सिस्टम और इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम अनिवार्य किए जाने चाहिए। स्मार्ट सेंसर आग के शुरुआती संकेतों का पता लगाकर समय रहते चेतावनी दे सकते हैं। इससे आग को फैलने से पहले नियंत्रित किया जा सकता है।

सरकार, प्रशासन, भवन मालिकों और आम नागरिकों सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सुरक्षा केवल नियमों का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा का प्रश्न है। यदि हम आज भी लापरवाही बरतते रहे, तो आने वाले वर्षों में आगजनी की घटनाएं और अधिक विनाशकारी रूप ले सकती हैं।

निष्कर्षतः बढ़ती आगजनी की घटनाएं हमारे समाज और प्रशासन दोनों के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। विकास तभी सार्थक है जब वह सुरक्षित हो। हमें सुरक्षा मानकों का कठोरता से पालन करना होगा, आधुनिक तकनीक अपनानी होगी और जागरूकता को बढ़ावा देना होगा। जब तक सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक आग की लपटें केवल इमारतों को ही नहीं, बल्कि अनगिनत सपनों और जिंदगियों को भी निगलती रहेंगी। समय आ गया है कि हम हादसों के बाद जागने की बजाय पहले से सतर्क होकर ऐसी त्रासदियों को रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाएं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री कल संजौली में करेंगे 3.18 करोड़ से बने बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम का लोकार्पण

शिमला (बी.शर्मा): मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू 08 जून, 2026 को शिमला जिला के विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात जनता को देंगे। मुख्यमंत्री 08 जून को प्रात: 11 बजे संजौली में लगभग 3 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से निर्मित बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम एवं मैदान का लोकार्पण करेंगे।

यह आधुनिक खेल परिसर क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। स्टेडियम में रसोईघर, चेंजिंग रूम, शौचालय तथा ओपन हॉल जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध होगा। प्रदेश सरकार युवाओं को खेलों से जोड़ने तथा खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके उपरांत मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे मशोबरा में निर्मित नव-जीवन नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह केंद्र नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास की सुविधाएं प्रदान करेगा। इस केंद्र के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने तथा प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिलेगी। प्रदेश सरकार नशे के विरुद्ध व्यापक अभियान चला रही है और इस दिशा में स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय तथा अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। नव-जीवन केंद्र का शुभारंभ इस अभियान को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

पांच वीर स्थल पर लगाया नई फसल का भंडारा

कुठाड़ (तारा): कृष्णगढ़ पंचायत में स्थित पांच वीर स्थल पर कमेटी व गांव के लोगों के सहयोग से नई फसल की उपज का भंडारा लगाया गया। कमेटी के सेवादार मनोज कश्यप ने बताया कि पंचायत के गांव सेरी में पांच वीर का वर्षों पुराना स्थल है। स्थानीय लोग हर छ: माह बाद अपने खेत की उपज को भंडारे के रूप में पहले इस स्थल पर रोट कढ़ाई व चूरमा बनाकर पांच वीर को चढ़ाते हैं व उसके बाद अपने अपने घरों में प्रयोग करते हैं। यह परंपरा वर्षों पुरानी है। रविवार को कमेटी के सदस्यों व ग्रामीणों ने यहां नई फसल की उपज का भंडारा लगाया। इससे पूर्व सभी लोगों ने यहां पूजा अर्चना की झंडा चढ़ाया व क्षेत्र की सलामती व अमन चैन की दुआ की तथा ग्राम देवता पांच वीर को रोट कढ़ाई का भोग लगाया। इस मौके पर पंचायत के प्रधान पुष्पेंद्र कुमार के इलावा ठाकुर दास कश्यप, सेवादार मनोज कश्यप, संदीप तंवर, मनसा राम रनौत,उमेश कुमार, सचिन, स्वप्निल,पुष्पेंद्र कुमार, धीरज पाल,श्याम दत्त, हुक्म दत्त फौजी , प्रवीण कुमार,राजेश, मुकुल, नवनीत, सौरव, लक्की, उमेश,रामलाल,श्यामलाल व प्रेमचंद के अलावा अन्य लोगों ने अपना सहयोग दिया।

सम्राट अशोक क्लब बद्दी द्वारा जिप सदस्य राज कुमार चौधरी को किया सम्मानित

बद्दी (तारा): मंधाला वार्ड से नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्य राजकुमार चौधरी को सम्राट अशोक क्लब बद्दी हिमाचल प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया। क्लब के अध्यक्ष राम नारायण मौर्य ने बताया कि अशोक क्लब बद्दी की टीम ने राज कुमार चौधरी को उनकी जीत पर भारत रत्न बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर का फोटो एवं भारत का आन,बान,शान का प्रतीक एवं भारत का राष्ट्रीय प्रतीक सम्राट अशोक लाट उन्हें भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर सम्राट अशोक क्लब के प्रदेश अध्यक्ष राम नारायण मौर्य, जिलाध्ययक्ष अमरेंद्र वर्मा, कोषाध्यक्ष बिमलेश वर्मा, एवं सम्राट अशोक क्लब के सदस्य अरुण वर्मा, गनेश वर्मा, ज्ञान चंद, ओमप्रकाश भारती एवं गुरमीत लेही, ग्राम पंचायत घरेड से नारेंद्र चंदेल व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।रामकुमार चौधरी ने कहा कि दून विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है तथा प्रदेश सरकार के सहयोग से स्वास्थ्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

मायापुरी धाम छमकडी में आज विशाल कुश्ती दंगल

पट्टा मेहलोग (तारा)- विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत गोयला के तहत धार्मिक स्थल माया पूरी धाम छमकड़ी में 8 जुन को विशाल दंगल का आयोजन किया जाएगा। दंगल समिति के प्रबंधक सलाहकार लायक राम ठाकुर ने बताया कि इसमें क्षेत्र के इलावा पंजाब ,हरियाणा व चंडीगढ़ के बड़े नामी पहलवानों को आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने बताया कि दंगल में तीन मालियां रखी है जिसमें बच्चों को रुपये 1600 व 1500, छोटी माली 3100 व 2500 जबकि बड़ी माली में 8100 व 7100 रु का इनाम रखा गया है। दंगल का शुभारंभ मायापुरी धाम के बाबा पुरनानंद पूरी जी महाराज व दून के समाजसेवी बिधी चंद राणा के द्वारा किया जाएगा जबकि समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक रामकुमार चौधरी शिरकत कर विजेता पहलवानों को पुरस्कृत करेंगे।

65-70 वर्ष आयु वर्ग के पेंशनभोगियों के बकाया एरियर अगले महीने जारी किए जाएंगे: मुख्यमंत्री

वेतन स्थगन संबंधी अधिसूचना केवल मुख्यमंत्री पर लागू, मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 अप्रैल (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज वित्त विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य की वित्तीय स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिए कि वेतन स्थगन संबंधी अधिसूचना केवल उन पर लागू रहेगी और अन्यों के लिए इस अधिसूचना को वापिस लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्थगित वेतन का बकाया अगले महीने पूर्ण वेतन के साथ जारी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार की व्यावहारिक नीतियों और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में उत्साहजनक सुधार हुए हैं और हिमाचल प्रदेश निरंतर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़

रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार की गलत नीतियों में सुधार और भ्रष्टाचार की संभावनाओं को समाप्त किया गया जिससे राज्य की वित्तीय स्थिति और मजबूत हुई है। उन्होंने वित्त विभाग को 65 से 70 वर्ष आयु वर्ग के सभी पेंशनभोगियों के लंबित पेंशन एरियर जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह एरियर अगले महीने वितरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस उद्देश्य के लिए आवश्यक धनराशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी।

कर्मचारियों के लंबित एरियर और महंगाई भत्ते की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मचारी राज्य की रीढ़ हैं और सरकार उनके कल्याण एवं हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने कर्मचारियों की सामाजिक और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल किया है।

उन्होंने कहा कि ओपीएस की बहाली के बाद केंद्र सरकार ने राज्य को मिलने वाली लगभग 1,200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि यदि यह वित्तीय सहायता नहीं रोकी जाती, तो राज्य सरकार कर्मचारियों के लंबित एरियर का भुगतान करने की स्थिति में होती। इसके बावजूद राज्य सरकार कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है।

बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव आशीष सिंहमार, वित्त विभाग के विशेष सचिव सौरभ जस्सल तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव 2026 का कल होगा भव्य आग़ाज़

पहले दिन कविसम्मेलन,वॉलीबॉल प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां होंगी आयोजित

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 अप्रैल (बी.शर्मा)

08 से 12 जून 2026 तक आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 का कल भव्य आग़ाज़ होगा। ग्रीष्मोत्सव के तहत प्रथम दिन 08 जून को प्रात: 10 बजे गेयटी थिएटर में हिंदी कवि सम्मेलन का प्रथम सत्र और दोपहर 02 बजे कवि सम्मेलन का दूसरा सत्र आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रदेश के प्रसिद्ध कवि शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, प्रात: 11 बजे नगर निगम ग्राउंड संजौली में वॉलीबाल प्रतियोगिता की भी शुरुआत होगी। इसी प्रकार सायं 04 बजे पुलिस सहायता कक्ष के समीप जुम्बा डांस होगा जिसमें राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर, राजकीय प्राथमिक विद्यालय पोर्टमोर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लक्कड़ बाजार व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समर हिल के छात्र भाग लेंगे।

इसके अलावा फन अट्रैक्शन व स्टेच्यू मैन तथा फ्लावर शो का भी आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के माध्यम से विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक दल रिज के आस पास विभिन्न स्थानों पर और मुख्य मंच पर अपनी प्रस्तुति देंगे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुनों के साथ विभिन्न दल लोगों और पर्यटकों का मनोरंजन करेंगे। सायं 6 बजे पुलिस सहायता कक्ष के समीप छम्म नृत्य होगा व गेयटी थिएटर में रंग मंच उत्सव के तहत 'जेहर' नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा सांस्कृतिक संध्या का आगाज सायं 04 बजे से आरंभ कर दिया जाएगा और इसके साथ ही मुख्य मंच पर कलाकारों की प्रस्तुतियां शुरू हो जायेंगी। प्रथम सांस्कृतिक संध्या में मशहूर गायक शबाब साबरी मुख्य कलाकार के रूप में शामिल होंगे।अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डिसी शिमला के फेसबुक पेज पर उपलब्ध होगा।

विमल नेगी प्रकरण में सीबीआई चार्जशीट ने कांग्रेस सरकार की कलई खोली : हर्ष महाजन

फर्जी सर्टिफिकेट, दस्तावेजों में हेरफेर और जांच प्रभावित करने के आरोप बेहद गंभीर, सरकार जवाब दे : हर्ष महाजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 अप्रैल (बी.शर्मा)

भाजपा के राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ नेता हर्ष महाजन ने विमल नेगी प्रकरण में सीबीआई द्वारा अदालत में दायर चार्जशीट को कांग्रेस सरकार के चेहरे से नकाब हटाने वाला दस्तावेज बताते हुए कहा कि अब प्रदेश की जनता समझ चुकी है कि आखिर इस पूरे मामले में सच्चाई को दबाने और दोषियों को बचाने का प्रयास कौन कर रहा था।

हर्ष महाजन ने कहा कि चार्जशीट में सामने आए तथ्य अत्यंत विस्फोटक और चौंकाने वाले हैं। फर्जी कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी करने, आधिकारिक दस्तावेजों में कथित हेरफेर करने, अधिकारियों पर दबाव बनाने, नियमों को ताक पर रखने और जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने जैसे आरोप केवल प्रशासनिक गलती नहीं बल्कि सत्ता संरक्षण में चल रहे भ्रष्टाचार और संस्थागत षड्यंत्र की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को अब प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि आखिर किसके इशारे पर नियमों को दरकिनार किया गया किसके दबाव में अधिकारियों को काम करने पर मजबूर किया गया? किसके संरक्षण में फाइलों और दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ हुई और आखिर किन लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए पूरी व्यवस्था को दांव पर लगाया गया महाजन ने कहा कि सबसे गंभीर बात यह है कि चार्जशीट में न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने और जांच को प्रभावित करने जैसे आरोप भी सामने आए हैं। यदि जांच एजेंसी के अनुसार साक्ष्यों को प्रभावित करने, रिकॉर्ड बदलने या जांच को भटकाने का प्रयास हुआ है तो यह केवल प्रशासनिक मामला

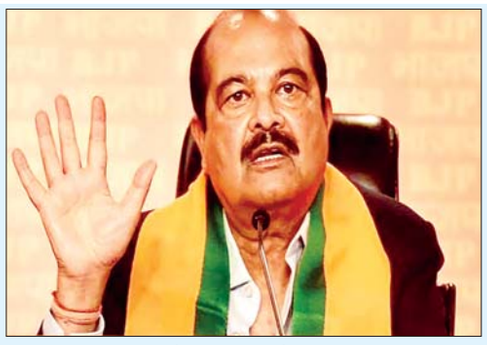

नहीं बल्कि कानून और संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पूरे मामले में शुरू से ही संदेह के घेरे में रही है। जब-जब विपक्ष ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई, तब-तब सरकार ने मामले को दबाने और ध्यान भटकाने का प्रयास किया। अब सीबीआई की चार्जशीट ने उन सभी आशंकाओं को और मजबूत कर दिया है जिन्हें भाजपा लगातार उठा रही थी। हर्ष महाजन ने कहा कि प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि आखिर एक ईमानदार अधिकारी किन परिस्थितियों में इतना मानसिक दबाव झेलने को मजबूर हुआ। यदि जांच एजेंसी यह संकेत दे रही है कि नियमों की अनदेखी कर कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाने की कोशिश हुई, तो इसके पीछे बैठे वास्तविक चेहरे भी जनता के सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल कुछ अधिकारियों को बलि का बकरा बनाकर इस मामले को दबाने की कोशिश नहीं चलने दी जाएगी। भाजपा मांग करती है कि इस पूरे प्रकरण की हाई लेवल जांच करवाई जाए, जिसमें प्रशासनिक, राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की जांच हो। जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो। महाजन ने कहा कि कांग्रेस सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या चार्जशीट में सामने आए तथ्यों के बाद संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाएगा क्या सरकार विभागीय कार्रवाई शुरू करेगी या फिर हमेशा की तरह दोषियों को राजनीतिक संरक्षण दिया जाएगा उन्होंने कहा कि यह मामला केवल विमल नेगी तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था, पारदर्शिता और सुशासन से जुड़ा हुआ है। यदि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद सरकार चुप रहती है तो यह माना जाएगा कि वह सच्चाई सामने आने से डर रही है। हर्ष महाजन ने कहा कि भाजपा इस मामले को विधानसभा से लेकर जनता की अदालत तक उठाएगी। प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात करने वाले, दस्तावेजों में हेरफेर करने वाले और जांच को प्रभावित करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। जनता सब देख रही है और आने वाले समय में इसका राजनीतिक और लोकतांत्रिक हिसाब भी लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब जवाब देने की स्थिति में नहीं बल्कि कटघरे में खड़ी है। प्रदेश की जनता सच्चाई जानना चाहती है और भाजपा सुनिश्चित करेगी कि इस पूरे प्रकरण की परत-दर-परत सच्चाई सामने आए और दोषियों को उनके किए की सजा मिले।

ग्रामीणों ने पंप हाउस की मुरम्मत करवाने के लिए लगाई गुहार

» प्रथम न्यूज । बद्दी
07 अप्रैल (तारा)

दून विधानसभा की सौडी पंचायत के ग्रामीणों के लिए बने पेयजल लिफ्टिंग पंप हाउस व भंडारण टैंक की हालत बिना रखरखाव व मुरम्मत न होने के चलते गिरने की कगार पर है।

वर्षों से इस पंप हाउस की मुरम्मत नहीं होने से इसकी दीवारों में दरारें पड़ चुकी हैं,वहीं पेयजल भंडारण टैंक की छत भी क्षतिग्रस्त होने लगी है।बता दें कि जल शक्ति विभाग उपमण्डल बद्दी के अंतर्गत बैह कोलियां उठाऊ पेयजल योजना लगभग 35 वर्ष पूर्व बनाई गई थी। समाज सेवी गुरदयाल सिंह कौण्डल ने बताया कि एक लंबे अरसे से इसकी मुरम्मत नहीं हुई है। इस योजना के अन्तर्गत गांव छलौन्देवाली,

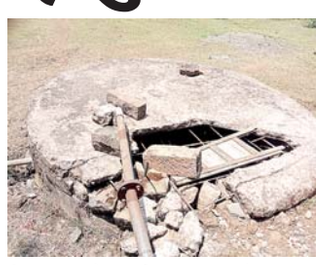

बैह कोलियां, गोरखनाथ, टिक्कर, नवांनगर, धार कोलियां, सुंरावाली गांवों की लगभग एक हजार आबादी को पेयजल की आपूर्ति होती है,लेकिन पंप हाउस की हालात इतनी खराब है कि उसके खिडकियों दरवाजे पूरी तरह से टूटे हैं जिससे इसमें रखा सामान कभी भी चोरी हो सकता है।

इसके इलावा भंडारण टैंक को छत पूर्ण रूप से टुटी होने के कारण इसमें किसी भी जानवर के गिरने का खतरा है।

स्थानीय ग्रामीण राम पाल, रामजी, रमेश कुमार, मान सिंह, राज कुमार, बीरवल, राम रतन, देव राज, बन्त, रणजीत सिंह, पतराम, दिला राम,राम प्रकाश, सावन राम, राम प्रताप, हेम राज, मनसा राम, जोगिंदर सिंह ने प्रशासन व विभाग के आला अधिकारियों से समय रहते इसकी रिपेयर करवाने की गुहार लगाई है।

भाई की जगह बहन दे रही थी परीक्षा, संजौली कॉलेज में पकड़ा गया मुन्नाभाई फर्जीवाड़ा

इग्नू परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थी का खुलासा, भाई के स्थान पर पेपर लिखती मिली बहन

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 अप्रैल (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला स्थित गवर्नमेंट कॉलेज संजौली के इग्नू स्टडी सेंटर 1101 में बीएजी (BAG) कोर्स की परीक्षा के दौरान एक चौंकाने वाला फर्जीवाड़ा सामने आया है। परीक्षा केंद्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती अपने सगे भाई के स्थान पर परीक्षा देती हुई पकड़ी गई।

जानकारी के अनुसार, परीक्षा केंद्र के कमरा नंबर-9 में तैनात इनविजिलेटर प्रवीण कुमार को एक परीक्षार्थी की गतिविधियों पर संदेह हुआ। शक होने पर उन्होंने संबंधित अभ्यर्थी के दस्तावेजों, अटेंडेंस शीट और पहचान पत्र की गहन जांच की। जांच के दौरान पता चला कि परीक्षा दे रही युवती का नाम अंबिका है, जो सिरमौर जिले के रोहनाट क्षेत्र की निवासी है। वह अपने भाई रणजीत के स्थान पर परीक्षा में बैठी हुई थी और उसकी जगह उत्तर पुस्तिका लिख रही थी।

मामले का खुलासा होते ही परीक्षा केंद्र प्रशासन हरकत में आ गया। केंद्र अधीक्षक डॉ. मदन शांडिल को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना सदर शिमला की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 319(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में इसे प्रतिरूपण कर परीक्षा देने का मामला माना जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे फर्जीवाड़े की योजना केवल भाई-बहन ने मिलकर बनाई थी या इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एग्रो-प्रोसेसिंग फलों के निर्यात के लिए बनाई रणनीति में हिमाचल के जैविक फलों को मिलेगा वैश्विक अवसर - मोनिका गौर

बागवानी उत्पादों के निर्यात संवर्धन हेतु एपीडा एवं एचपीएमसी द्वारा हितधारक सहभागिता कार्यशाला का आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
07 अप्रैल (बी.शर्मा)

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश हॉर्टिकल्चरल प्रोड्यूस मार्केटिंग एंड प्रोसेसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीएमसी) के सहयोग से फागू, शिमला में हिमाचल प्रदेश के कृषि-प्रसंस्कृत खाद्य एवं पेय उत्पादों के निर्यात विषय पर एक हितधारक सहभागिता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में भारत सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, एचपीएमसी, उद्योग जगत, निर्यातकों, उद्यमियों, प्रसंस्करण इकाइयों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा अन्य संबंधित हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और राज्य के बागवानी उत्पादों तथा मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम के अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की निदेशक सुश्री मोनिका गौर ने की। इस अवसर पर उन्होंने हिमाचल प्रदेश के बागवानी क्षेत्र में उपलब्ध अपार निर्यात संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बाजार संपर्क, मूल्य संवर्धन तथा निर्यातोन्मुख अवसंरचना को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने एग्रो-प्रोसेसिंग फलों के अंतरराष्ट्रीय निर्यात के लिए नई रणनीति बनाई है, जिससे हिमाचल के जैविक फलों को वैश्विक अवसर मिलेगा।

एचपीएमसी के प्रबंध निदेशक डी.सी. राणा ने अपने संबोधन में राज्य के बागवानी उत्पादों की खरीद, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग तथा विपणन में एचपीएमसी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रसंस्करण एवं निर्यात मूल्य श्रृंखला से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव नितिन यादव ने मुख्य वक्तव्य देते हुए हिमाचल प्रदेश

के बागवानी क्षेत्र को वैश्विक बाजारों से जोड़ने तथा उच्च मूल्य वाले ताजे एवं प्रसंस्कृत बागवानी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने पर जोर दिया।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की जिसमें हिमाचल प्रदेश के बागवानी उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं का आकलन, विशेषकर प्लम, आड़ू, खुबानी, चेरी जैसे स्टोन फ्रूट्स तथा उनसे निर्मित मूल्यवर्धित उत्पादों पर विशेष ध्यान देने बारे, राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, आयातकों एवं विदेशी बाजारों के साथ मजबूत संपर्क स्थापित करना, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन तथा निर्यात संवर्धन के क्षेत्रों में उद्यमिता विकास के अवसरों की पहचान, एपीडा की निर्यात संवर्धन योजनाओं, वित्तीय सहायता कार्यक्रमों, गुणवत्ता प्रमाणन, ट्रेसबिलिटी मानकों तथा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी, हिमाचल प्रदेश के फलों के रस, कॉन्सट्रेट, जैम, स्क्वैश, अचार, कैनिंग उत्पादों तथा अन्य मूल्यवर्धित बागवानी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है।प्रतिभागियों ने बाजार पहुंच, लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता मानकों, उत्पाद एकत्रीकरण, फसलोत्तर प्रबंधन, कोल्ड-चेन अवसंरचना तथा निर्यात सुविधा से संबंधित चुनौतियों पर भी चर्चा की। प्रतिभागियों के अनुसार यह कार्यशाला सरकारी एजेंसियों, निर्यातकों, प्रसंस्करण इकाइयों तथा किसान समूहों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और हिमाचल प्रदेश के बागवानी क्षेत्र की निर्यात क्षमता को नई दिशा देने हेतु एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. तरुण बजाज द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों, हितधारकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए राज्य में एक सशक्त निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए उनके योगदान की सराहना की।इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त किसान उत्पादक संगठनों के सदस्य, निर्यातक और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

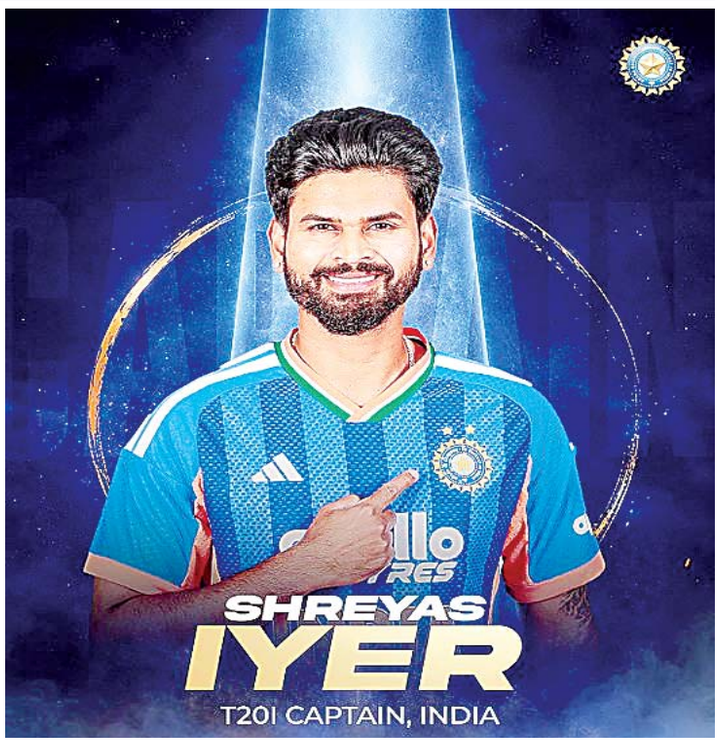

कप्तानी के लिए मुझे व्यक्तित्व बदलने की जरूरत नहीं, कैप्टन बनने के बाद श्रेयस अय्यर का पहला रिएक्शन आया सामने

भारत के नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कप्तानी मिलने के बाद कहा कि उन्हें बचपन से ही चुनौतियों का सामना करने में आनंद आता है और भारतीय टीम की अगुवाई करने का मौका मिलने का अर्थ यह नहीं है कि उन्हें अपना व्यक्तित्व बदलने की जरूरत है। 31 साल के श्रेयस को शनिवार को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। श्रेयस ने विश्व विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव की जगह ली।

श्रेयस ने कहा कि मुझे अपना व्यक्तित्व बदलने की जरूरत नहीं है। मैं पहले से जैसा था, वैसा ही रहूंगा। मैं किसी के जैसा बनने या किसी की छाया में रहने की कोशिश भी नहीं करूंगा। जाहिर सी बात है कि मैंने बचपन से ही चुनौतियों का सामना करने में आनंद पाया है। खासतौर से मुंबई का होने के नाते, जहां क्रिकेट बहुत बड़ा है, प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है। हर बच्चा मुंबई के लिए खेलना चाहता है।

श्रेयस ने ये भी कहा कि उनकी सोच हमेशा ही जीतने की रहती है, फिर चाहे वो किसी के भी विरुद्ध खेलें। मैंने जिस किसी के भी विरुद्ध खेला है, मेरी सोच हमेशा जीतने की रही है। फिर चाहे वो सीखने की बात हो या जीतने की। इसलिए चाहे सीखना हो या जीतना, यह गौण है, लेकिन आप बड़े होते हुए खेल का जितना आनंद लेते हैं।

आपके अंदर प्रतिस्पर्धा की भावना उतनी ही अधिक विकसित होती है, खासकर क्रिकेट या किसी अन्य खेल को खेलते समय। मेरे हिसाब से ये चीज आपको और ऊपर ले जाती है और आप जिम्मेदारी लेना चाहते हैं और जबकि अब मुझे ये जिम्मेदारी मिल गई है, ये एक बड़ी चुनौती है।

गिल ने खूब मदद की, डेब्यू पर तहलका मचाने वाले मानव सुथार ने बांधे कप्तान शुभमन की तारीफों के पुल

पदार्पण टेस्ट में ही धमाल मचाने वाले मानव सुथार ने न्यू चंडीगढ़ में चल रहे एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन अफगानिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। राजस्थान से आने वाले मानव ने पारी के पहले और दिन के आखिरी विकेट समेत कुल तीन विकेट अपने नाम किए।

अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित करने वाले मानव ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, मेरा ध्यान सही इलाकों में गेंद डालने और अपनी ताकत पर भरोसा करने पर था। विकेट में मदद थी इसलिए मेरा ध्यान सही जगह गेंद गिराने पर था। मैच की सुबह मैदान पर आने के बाद ही पता चला कि मैं पदार्पण कर रहा हूं। मैंने पिछली शाम इसकी तैयारी की थी (क्योंकि पदार्पण की संभावना थी) मेरी ताकत गेंद को घुमाना है।

सही जगह गेंदबाजी करना चाहता था : मानव सुथार

मैं इसी का प्रयास कर रहा था। मैं लगातार सही जगह गेंद गिराना चाहता था, मेरा ध्यान इसी पर था। रणजी और घरेलू क्रिकेट खेलते हुए मेरा सपना भारत के लिए खेलने का था। शुक्रगुजार हूं। मैं लंबे वक्त से कप्तान गिल के साथ खेल रहा हूं। इसलिए उन्हें मेरी ताकत पता है। वह लगातार मुझे लाइन और लेंथ समझा रहे थे।

क्रिकेट में कैसे आई रुचि?

पदार्पण से पहले मानव ने जियोस्टार से बात की थी। राजस्थान से आने वाले मानव ने कहा, क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का अहम अंग रहा है। मेरे पिताजी खेल से प्रेम करते हैं, घर के सारे लोग क्रिकेट मैच देखते रहते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर क्रिकेट देखता था। क्रिकेट के प्रति मेरे प्रेम की शुरुआत यहीं से हुई। मैंने दोस्तों के साथ गली में खेलना शुरू किया। यहीं से मुझे क्रिकेट के बारे में बुनियादी जानकारी मिली।

10-11 साल की उम्र में मैंने अकादमी में दाखिला लिया। जहां धीरज सर और विनोद सर ने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल में सुधार कराए। राजस्थान के लिए अंडर-14 खेलने के बाद मुझे लगा कि मैं क्रिकेट में करियर बना सकता हूं। यहीं से मेरी क्रिकेट की असली यात्रा शुरू हुई।

बेटे मानव सुथार की खतरनाक गेंदबाजी नहीं देख सके पिता, अंधविश्वास के कारण स्टेडियम से लौटे वापस

राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश सुथार अपने बड़े बेटे मानव को भारत के लिए टेस्ट पदार्पण करते देखने के लिए परिवार के साथ मुल्लांपुर तक पहुंचे थे, लेकिन दूसरे दिन बेटे का मैदान पर प्रदर्शन देखे बिना ही घर लौट गए।

जगदीश सुथार ने कहा, मैं अपनी पत्नी और बेटी मानसी के साथ उसका पदार्पण देखने आया था. शनिवार को उसे टेस्ट कैप लेते देखकर कैसा लगा, मैं इसे बयां नहीं कर सकता, लेकिन आज हम घर वापस आ गए थे क्योंकि हम सब नर्वस थे और स्टेडियम से उसे खेलते हुए देखकर थोड़े अंधविश्वासी भी थे।

पिता जगदीश ने कोच को दिया सफलता का श्रेय

जगदीश ने बेटे की सफलता का श्रेय लेने से हिचकिचाते हुए कहा, यह पूरी तरह से मानव की कड़ी मेहनत और उसके घंटों के अभ्यास का नतीजा है। वह सुबह ट्रेनिंग के लिए घर से निकलता था और देर शाम लौटता था। इसका श्रेय उसे और उसके बचपन के कोच धीरज शर्मा को जाता है जिनके हम सब कृतज्ञ हैं। मानव ने अपना सारा क्रिकेट उन्हीं से सीखा।

मैंने मानव का हमेशा समर्थन किया

जगदीश ने कहा कि हर दूसरे बच्चे की तरह, उसे भी क्रिकेट का बहुत शौक था। जब वह छह से सात साल का था तो वह टेनिस और रबड़ की गेंद से खेलता था। चूंकि मैं एक पीटी (शारीरिक शिक्षा) शिक्षक था, इसलिए मैंने हमेशा अपने बेटे को यह खेल खेलने और इसका मजा लेने के लिए हिम्मत दी। जब वह लगभग 10 से 11 साल का था तो मैंने उसे धीरज सर की अकादमी में दाखिला दिलाया था। उसके बाद मैंने उससे बस इतना कहा, 'तुझे जो अच्छा लगे, तू कर, मेरा समर्थन हमेशा तेरे साथ रहेगा।

नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का अभिनंदन, विधायक जीतराम कटवाल ने किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
07 जून (जितेंद्र गौतम)

झंडूता विधानसभा क्षेत्र में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान में रविवार को अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। झंडूता में आयोजित समारोह में क्षेत्र के विधायक जीतराम कटवाल ने मुख्य अतिथि, जबकि भाजपा के जिला अध्यक्ष कृष्णलाल चंदेल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने नवनिर्वाचित जिला परिषद व बीडीसी सदस्यों तथा पंचायत प्रधानों, उपप्रधानों व वार्ड मेंबरों को पटका पहनाकर और बाबा बालकनाथ की तस्वीर भेंट करके सम्मानित करने के साथ ही उन्हें लोकतंत्र के इस महापर्व में जनता का विश्वास जीतने पर बधाई व शुभकामनाएं भी दीं।

जीतराम कटवाल ने कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई हैं। किसी भी प्रदेश को सशक्त बनाने के लिए उसके गांवों और पंचायतों का मजबूत होना जरूरी है। इसी से राष्ट्र भी सशक्त बनेगा। पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में जिन्हें लोगों का आशीर्वाद मिला है, वे अब केवल किसी पंचायत या वार्ड के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि गांवों के विकास, जनसेवा और जनता की आकांक्षाओं के वाहक भी हैं। जनता ने उन्हें बड़ी उम्मीदों के साथ अपना नुमाइंदा चुना है। विकास कार्यों में राजनीति नहीं, बल्कि जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। अपने क्षेत्र में विकास, जनसेवा और पारदर्शिता के माध्यम से उस विश्वास को और अधिक मजबूत करना उनका दायित्व है। इससे वे न केवल लोगों की कसौटी पर खरा उतरेंगे, बल्कि उनके दिलों में अमिट छाप भी छोड़ेंगे। इसी भावना के साथ केंद्र सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश को नई दिशा दी है। यही मंत्र पंचायतों को भी नई पहचान देगा।

जीतराम कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ से अधिक देशवासियों का सामूहिक संकल्प है। विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए गांवों का विकास, पंचायतों का आत्मनिर्भर बनना और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचना बेहद जरूरी है। भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ काम करने वाली पार्टी है। भाजपा का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं का सर्वांगीण उत्थान करना है। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि उनके क्षेत्र के विकास में वह अपने स्तर पर हरसंभव सहयोग देंगे। सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा व खेल सुविधाओं के विस्तार से लेकर ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाकर हर पंचायत को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम साथ मिलकर किया जाएगा।

उन्होंने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों को भी पंचायतों की प्राथमिकताओं में शामिल करने का आह्वान किया। बाद में उन्होंने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से उनके क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करके उनका समाधान करने का आश्वासन भी दिया।इस अवसर पर ग्राम पंचायत बड़ागांव के प्रधान मंगल सिंह ठाकुर,नघियार की प्रधान अनु कुमारी, महामंत्री दिनेश चंदेल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस स्वागत समारोह में उपस्थित थे।

सुंदरनगर में चिट्टे के साथ एक ही परिवार के चार सदस्य गिरफ्तार, मां-बेटा-बहू और बेटी पुलिस की गिरफ्त में

नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई : सुंदरनगर में चंडीगढ़ के परिवार से 6.650 ग्राम हेरोइन बरामद

» प्रथम न्यूज । सुंदरनगर
07 जून (नरेंद्र भारती)

मंडी जिले के सुंदरनगर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चिट्टे (हेरोइन) के साथ एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे मामलों में अलग-अलग आरोपी पकड़े जाते हैं, जबकि इस बार पूरा परिवार पुलिस के शिकंजे में आया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम क्षेत्र में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत गश्त और नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान कांगू क्षेत्र में लगाए गए नाके पर चंडीगढ़ नंबर की एक संदिग्ध कार को जांच के लिए रोका गया। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 6.650 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ।

बरामदगी के बाद पुलिस ने कार में सवार चार लोगों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौरव पुत्र राजकरण, सरला पत्नी राजकरण, ज्योति पत्नी गौरव तथा रिशु पत्नी गिरीश शर्मा निवासी चंडीगढ़ के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सरला परिवार की मुखिया है, गौरव उसका बेटा, ज्योति बहू और रिशु बेटी बताई जा रही है।

मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी सुंदरनगर भारत भूषण ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद चिट्टा कहां से लाया गया था और इसके पीछे किस तरह का नेटवर्क सक्रिय है।

उन्होंने कहा कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस अवैध कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस चारों आरोपियों को अदालत में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में ला रही है।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई : दीनानगर के गांव भटोआ में अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा

अवैध कॉलोनी काटने वालों को हो सकती है 5 से 10 साल की कैद और 5 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
07 जून (संदीप सन्नी)

पंजाब सरकार द्वारा जारी कड़े दिशा-निर्देशों के तहत जिला प्रशासन गुरदासपुर ने अवैध निर्माणों और गैर-कानूनी कॉलोनियों के खिलाफ एक बड़ी मुहिम छेड़ रखी है। इसी कड़ी में एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जनरल) गुरसिमरन सिंह ढिल्लों द्वारा जारी आदेशों की पालना करते हुए, पापरा एक्ट 1995 का उल्लंघन करने वाली अवैध कॉलोनियों को समय-समय पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं और डिमोलिशन (ध्वस्तीकरण) की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

इसी क्रम में जिला टाउन प्लानर, गुरदासपुर ने रेगुलेटरी टीम और जिला प्रशासन के सहयोग से एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान दीनानगर के अंतर्गत आते गांव भटोआ में नियमों की धज्जियां उड़ाकर अवैध रूप से विकसित की जा रही एक अन-अधिकृत कॉलोनी को पूरी तरह से ढहा दिया गया।

सरकारी नियमों की अनदेखी करने पर होगी जेल और भारी जुर्माना

इस कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए एडीसी ढिल्लों ने बताया कि भविष्य के अनियोजित विकास को नियंत्रित करने के लिए सरकार की हिदायतों के अनुसार यह कड़ा कदम उठाया गया है। गांव भटोआ की इस अवैध कॉलोनी के मालिकों को पहले पापरा एक्ट के तहत नोटिस जारी किया गया था, लेकिन सरकारी नियमों की परवाह न करने और आदेशों की अवहेलना करने के कारण आज डिमोलिशन की कार्रवाई पूरी की गई।

उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया

पापरा एक्ट-1995 के नए कड़े प्रावधानों के अनुसार, अवैध या अन-अधिकृत कॉलोनी काटने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 5 से 10 साल तक की कैद और 25 लाख रुपए से लेकर 5 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

उन्होंने आगे बताया कि रेगुलेटरी विंग द्वारा पूरे गुरदासपुर जिले में लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। जहां कहीं भी अवैध निर्माण या कॉलोनियां पाई जा रही हैं, वहां तुरंत काम बंद करवाकर संबंधित थाना प्रभारी को अगली कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई के लिए लिखा जा रहा है।

कॉलोनाइजरों को अंतिम चेतावनी और आम जनता से अपील

जनता के लिए एडवाइजरी-एडीसी ढिल्लों ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मेहनत की कमाई को किसी परेशानी में न डालें। किसी भी गैर-कानूनी कॉलोनी में प्लॉट न खरीदें। निवेश करने या प्लॉट खरीदने से पहले कॉलोनाइजर से सरकार की आधिकारिक मंजूरी की मांग जरूर करें, ताकि बाद में किसी भी तरह के धन-माल के नुकसान या मानसिक परेशानी से बचा जा सके।

कॉलोनाइजरों को मौका- उन्होंने पुडा क्षेत्र के तहत आने वाले कॉलोनाइजरों को सचेत करते हुए कहा कि जिन कॉलोनियों ने 19 मार्च 2018 से पहले रेगुलाईजेशन के लिए आवेदन किया हुआ है, वे प्रमोटर बिना देरी किए अपने सभी जरूरी दस्तावेज दफ्तर में जमा करवाकर अपनी कॉलोनियों को पास करवा लें। ऐसा न करने पर और बिना विभाग की मंजूरी के नया निर्माण करने वालों के खिलाफ नियमों के मुताबिक सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

एक नज़र

दार्जिलिंग में भयानक हादसा, तीस्ता नदी में गिरी कार, सात साल की बच्ची समेत चार लोगों की मौत

गंगटोक (ब्यूरो): सिक्किम और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-10 पर हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। गंगटोक से सिलीगुड़ी जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव तीस्ता नदी में डूबी कार से बरामद किए गए हैं।

इस हादसे ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि पूरे सिक्किम को गहरे सदमे में डाल दिया है। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय स्मारिका न्यौपाने, 27 वर्षीय सैब्या न्यौपाने, 27 वर्षीय जीका दहल और पांच वर्षीय मासूम दित्या छेत्री के रूप में हुई है। सभी पूर्वी सिक्किम के काबी लुंगचोक (लिंगडोक) क्षेत्र के निवासी थे। परिवार 5 जून को सिलीगुड़ी स्थित अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा बन गई।

रम्बी के पास टूटा संपर्क, फिर नहीं मिला कोई सुराग

परिजनों के अनुसार 5 जून की शाम रम्बी क्षेत्र के पास परिवार से आखिरी बार संपर्क हुआ था। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया और उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका।

अगले दिन गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद बड़े स्तर पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। खोज अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पश्चिम बंगाल पुलिस और स्थानीय बचाव दलों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। लगातार बारिश और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राहत एवं बचाव कार्य जारी रखा गया।

मलबे ने खोला हादसे का राज

तलाशी के दौरान बाघपुल के निकट भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से कार की बैटरी और बंपर बरामद हुए। इसके बाद बचाव दलों का ध्यान तीस्ता नदी की ओर गया और नदी में गहन खोजबीन शुरू की गई। आशंका थी कि वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई से नदी में जा गिरा होगा।

तेज बहाव के बीच निकाली गई कार

शनिवार शाम को बचाव दलों को तीस्ता नदी की गहराई में डूबी हुई टाटा नेक्सॉन कार का पता चला। हालांकि खराब मौसम, अंधेरा और तेज बहाव के कारण उसी रात रेस्क्यू अभियान रोकना पड़ा। रविवार सुबह अभियान दोबारा शुरू किया गया और कई घंटों की मशक्कत के बाद कार तक पहुंच बनाई गई। कार के भीतर से चारों शव बरामद किए गए, जिन्हें बाहर निकालकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

सरकारी सेवाओं से जुड़े थे तीनों वयस्क

हादसे में जान गंवाने वाले तीनों वयस्क सरकारी सेवाओं से जुड़े हुए थे। स्मारिका न्यौपाने एसटीएनएम अस्पताल में नर्सिंग लेक्चरर के पद पर कार्यरत थीं। सैब्या न्यौपाने संस्कृति विभाग में जूनियर इंजीनियर थीं, जबकि जीका दहल बागवानी विभाग में अपनी सेवाएं दे रही थीं।

NH-10 की हालत पर फिर उठे सवाल

प्रारंभिक जांच में हादसे के पीछे लगातार हो रही बारिश, भूस्खलन और राष्ट्रीय राजमार्ग-10 की खराब स्थिति को प्रमुख कारण माना जा रहा है। इस दर्दनाक घटना के बाद एक बार फिर इस महत्वपूर्ण मार्ग की सुरक्षा और रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मानसून के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में इस तरह की त्रासदियों को रोका जा सके।

हरियाणा में बढ़ती शिशु मृत्यु दर चिंताजनक, सरकार ठोस कदम उठाए : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 7 जून (सुरिन्दर चौहान)- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बढ़ती शिशु मृत्यु दर पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना वहां के बच्चों और माताओं का स्वास्थ्य होता है। यदि नवजात शिशु सुरक्षित नहीं हैं तो विकास के बड़े-बड़े दावों का कोई अर्थ नहीं रह जाता।कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में शिशु मृत्यु दर बढ़कर प्रति हजार जीवित जन्म पर 24 तक पहुंच गई है। इसका अर्थ है कि प्रदेश में हर वर्ष हजारों बच्चे अपना पहला जन्मदिन मनाने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा चंडीगढ़ की तुलना में हरियाणा की स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है।

सांसद ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शिशु मृत्यु दर में बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं, नवजात शिशु देखभाल केंद्रों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की पक्षधर रही है। हर बच्चे को सुरक्षित जन्म और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में केवल घोषणाओं और प्रचार से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम भी दिखाई देने चाहिए।

सांसद ने राज्य सरकार से मांग की कि शिशु मृत्यु दर बढ़ने के कारणों की व्यापक समीक्षा कर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि कोई भी परिवार अपने नवजात बच्चे को स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में न खोए। सरकार को इस विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना चाहिए।

रसोई गैस की बढ़ी कीमतों ने बढ़ाई आम जनता की परेशानी - कुमारी सैलजा - सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की बढ़ोतरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पेट्रोल, डीज़ल और सीएनजी की बढ़ती कीमतों से जनता पहले ही परेशान है। अब रसोई गैस महंगी होने से परिवारों का घरेलू बजट और बिगड़ जाएगा।

सांसद ने कहा कि मात्र तीन महीने के भीतर दूसरी बार रसोई गैस के दाम बढ़ाए गए हैं। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच आम लोगों की आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ रही, जिससे मध्यम वर्ग, गरीब और मेहनतकश परिवारों के लिए घर का खर्च चलाना दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि महंगाई पर नियंत्रण के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि ईंधन से लेकर रसोई तक हर क्षेत्र में जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।

मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा, अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के दो 'वन-वे अटैक ड्रोन' मार गिराए

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
07 जून (एजेंसी)

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने बड़ा दावा किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात के लिए खतरा बने ईरान के दो 'वन-वे अटैक ड्रोन' को मार गिराया गया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में बताया कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के दो ड्रोन मार गिराए हैं। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना ने ईरान के दो ऐसे 'वन-वे अटैक ड्रोन' को मार गिराया, जिनसे होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात को खतरा था। अमेरिकी सेना ईरानी आक्रामकता का मुकाबला करने और बचाव जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सेंटकॉम के अनुसार, ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर ड्रोन लॉन्च किए, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन्हें टकराने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। इस घटना से क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है।

वैश्विक समुद्री मार्गों और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। एक दिन शनिवार को कुवैत और बहरीन दोनों ने अपने देशों पर ईरान के नए हमलों की कड़ी आलोचना की।

शनिवार को कुवैत और बहरीन दोनों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने की घोषणा की, जबकि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दक्षिणी ईरान में केशम द्वीप और सिरिक काउंटी पर पहले हुए अमेरिकी हमलों के बदले में कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट हेडक्वार्टर पर हमला करने की पुष्टि की। आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन में उन्हीं दो अमेरिकी बेस पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की घोषणा की, जो केशम आइलैंड पर आईआरजीसी के कम्युनिकेशन टावर पर रात भर हुए अमेरिकी हमले का बदला था। बहरीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन हमलों से खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को खतरा है।

बहरीन ने ईरान से अपने हमले रोकने, होर्मुज को बिना किसी रोक-टोक के पूरी तरह से फिर से खोलने और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्री नेविगेशन की आजादी का सम्मान करने को कहा। वहीं, कुवैत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि लगातार हो रहे हमले ऐसे समय में खतरनाक बढ़ोतरी को दिखाते हैं जब दुनिया भर की कोशिशें एक बड़े क्षेत्रीय झगड़े को रोकने पर फोकस कर रही हैं। हमलों को किसी भी बहाने से सही या स्वीकार नहीं किया जा सकता।

तिब्बड़ी कैंट में स्लम एरिया के बच्चों को मिली सैन्य जीवन की विशेष झलक; क्वार्टर गार्ड ड्रिल का शानदार प्रदर्शन

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - एक दिल को छू लेने वाली और प्रेरणादायक पहल के तहत मान कौर स्लम एरिया के गरीब और वंचित बच्चों के लिए चलाए जा रहे प्री-लिमनरी एजुकेशन स्टडी सेंटर के बच्चों को तिब्बड़ी कैंट में सैन्य जीवन की विशेष झलक दिखाई गई और उनका यादगार स्वागत किया गया। यह शैक्षणिक और प्रेरणादायक दौरा सैन्य अधिकारियों के विशेष निमंत्रण पर रोमेश महाजन के गतिशील नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरे की देखरेख जिला बाल कल्याण परिषद गुरदासपुर के कोऑर्डिनेटर बख्शी राज द्वारा की गई, जिसमें 55 बच्चों और 5 शिक्षकों ने भाग लिया।

तिब्बड़ी कैंट पहुंचने पर भारतीय सेना के जवानों द्वारा बच्चों को क्वार्टर गार्ड ड्रिल और सैन्य अनुशासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। दौरे के दौरान बच्चों को भारतीय सेना के शानदार इतिहास, वीरता, अनुशासन और देश की रक्षा के लिए दिए गए महान बलिदानों के बारे में बताया गया। सेना के जज्बे को देख कई बच्चों ने भविष्य में भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने की अपनी दिली इच्छा भी व्यक्त की।

बच्चों ने इस दौरे को जीवन में एक बार मिलने वाला अनूठा अनुभव बताते हुए कहा कि सैन्य जवानों के साथ इस मुलाकात ने उनके दिलों में देशभक्ति, सेना के प्रति सम्मान और बड़े सपने देखने का हौसला और मजबूत किया है। इस अवसर पर रोमेश महाजन ने सैन्य अधिकारियों का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े स्लम एरिया के बच्चों के लिए इस तरह का शैक्षणिक और प्रेरणादायक दौरा उनके जीवन में नई उम्मीद, हौसला और खुशियां लाने वाला साबित होगा।

इस दौरे के दौरान बच्चों के साथ उनके समर्पित शिक्षक आशु, मनजीत कौर, किरण, पूर्णिमा, अनीता और सरबजीत भी उपस्थित थे।

मुंबई एयरपोर्ट पर DRI का बड़ा एक्शन, 5 करोड़ के सोने के साथ 3 विदेशी नागरिकों समेत 6 लोगों को किया गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । मुंबई
07 जून (ब्यूरो)

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) ने एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देते हुए अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

DRI की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए तीन विदेशी नागरिकों समेत कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से करीब 5 करोड़ रुपये मूल्य का अवैध सोना बरामद किया गया है। पकड़े गए विदेशी नागरिकों में बांग्लादेश और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस काले कारोबार में एयरपोर्ट के ही तीन स्टाफ कर्मी भी शामिल थे, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया है। DRI को अंदेशा है कि इसके तार एक बहुत बड़े अंतरराष्ट्रीय स्मगलिंग नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

बांग्लादेश और श्रीलंका से जुड़े हैं तार, एयरपोर्ट कर्मियों की मदद से चल रहा था खेल

DRI को खुफिया सूत्रों से इनपुट मिला था कि मुंबई एयरपोर्ट के रास्ते बड़े पैमाने पर सोने की तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर अधिकारियों ने जाल बिछाया और

संदिग्धों को धर दबोचा। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए विदेशी नागरिकों में से कुछ बांग्लादेशी और कुछ श्रीलंकाई मूल के हैं। ये तस्कर विदेशों से सोना छिपाकर भारत ला रहे थे। एयरपोर्ट पर कस्टम और सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए इन्होंने एयरपोर्ट के ही तीन ग्राउंड स्टाफ कर्मियों को अपने साथ मिला रखा था। ये कर्मचारी मोटी रकम के बदले सोने की खेप को बिना चेकिंग के एयरपोर्ट से बाहर निकालने में तस्करों की मदद कर रहे थे।

5 करोड़ का सोना जब्त, बड़ा इंटरनेशनल नेटवर्क खंगाल रही है DRI

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से बरामद सोने को जब्त कर लिया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। DRI के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, एयरपोर्ट स्टाफ की मिलीभगत से चल रहा यह खेल काफी समय से सक्रिय था। पकड़े गए आरोपियों से कड़ी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस रैकेट का मास्टरमाइंड कौन है और वे अब तक कितनी बार इस तरह से सोना पार करा चुके हैं।

अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में आगे कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं और एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पूरी तरह से पर्दाफाश हो सकता है।

अयोध्या राम मंदिर डोनेशन के करोड़ों रुपये गायब होने का दावा

» प्रथम न्यूज । उत्तर प्रदेश
07 जून (ब्यूरो)

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए आए दान के करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं।

उन्होंने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए यह दावा किया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का भी हवाला दिया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि दुनिया भर में भगवान राम के भक्तों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण के नाम पर जो दान राशि एकत्र की गई थी, उसके उपयोग और प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। अखिलेश यादव के अनुसार, करोड़ों रुपये की राशि के कथित गायब होने की खबरें चिंताजनक हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि जब इतने बड़े पैमाने पर धार्मिक और सामाजिक योगदान जनता की ओर से दिया जाता है, तो उसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि दान का सही हिसाब नहीं रखा गया, तो यह विश्वास को कमजोर करने वाला मामला बन सकता है। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

विपक्षी दलों की ओर से इस मुद्दे पर जांच की मांग की जा सकती है, जबकि सत्तापक्ष की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रांची में युवती से 9 लोगों ने किया गैंगरेप, अगवा कर नदी किनारे ले गए; फिर की हैवानियत...8 अरेस्ट

» प्रथम न्यूज । झारखंड
07 जून (ब्यूरो)

झारखंड की राजधानी रांची के मांडर थाना क्षेत्र अंतर्गत करगे नामक गांव में इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना ने सभी को हैरा कर दिया. एक दो नहीं बल्कि 9 दरिंदों ने पहले एक युवती को उसके घर से अगवा किया, फिर करगे नदी के किनारे सुनसान स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म किया. दुष्कर्म करने के बाद शनिवार की सुबह सभी आरोपी उसे नदी के किनारे छोड़कर भाग गए. घटना की जानकारी के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है.

जानकारी ने मुताबिक, पीड़िता किसी तरह से पुलिस थाने पहुंची जहां उसने शिकायत दर्ज कराई. पीड़िता ने 8 से अधिक लोगों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की बात पुलिस को शिकायत देकर बताई है. दरअसल, आरोपी पहले युवती को उसके घर से अगवाकर उसे नदी किनारे सूनसान जगह ले गए, जहां उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया. हवस का शिकार बनाने के बाद आरोपी युवती को बदहवास हालत में छोड़कर भाग गए.

पीड़िता ने दर्ज कराई थी शिकायत

घर से किया था अगवा

जानकारी के अनुसार रांची के माण्डर थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती पिछले लगभग 2 वर्षों से गांव के ही एक युवक के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रही थी. पिछले लगभग एक डेढ़ महीने पहले उसका पति/प्रेमी काम की तलाश में झारखंड से बाहर केरल चला गया, और युवती अकेले ही रह रही थी. इसी बीच शुक्रवार की देर शाम गांव के आसपास के रहने लगभग 7-8 युवक उसके घर पहुंचे और युवती को अगवाकर गांव के बाहर नदी ले जाकर गैंगरेप की शर्मनाक घटना को अंजाम दिया.

गैंगरेप की शिकार पीड़िता ने शनिवार को ही माण्डर थाना पहुंचकर 8 से ज्यादा लोगों द्वारा अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई. मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के एसएसपी ने खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया. टीम में माण्डर थाना,चान्हो थाना, बुढ़मू थाना और ठाकुरगांव थाना की पुलिस बल को शामिल किया गया है. गठित पुलिस टीम ने विभिन्न तकनीकी पहलुओं और पीड़िता के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर छापेमारी शुरू की.

8 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 8 घंटे के अंदर कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही घटना में शामिल एक नाबालिक को निरुद्ध किया है.

एसएसपी ने बताया कि युवती को अगवा कर गैंगरेप मामले में गिरफ्तार 8 आरोपियों में आयुष उरांव, पापड़ मुंडा उर्फ प्रकाश मंडा, रामलुस कुजूर, रंजीत उरांव, उमेश भगत, दीपक उरांव, राम उरांव, विकास उरांव शामिल है, जबकी एक नाबालिक को निरुद्ध किया गया है.

दुल्हन भागी तो साली से तय हो गई शादी... फिर पता चला ऐसा राज, तमतमा गया दूल्हा, शुरू कर दी मारपीट

» प्रथम न्यूज । उत्तर प्रदेश
07 जून (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश के बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक शादी समारोह उस समय हंगामे में बदल गया, जब निकाह से ठीक पहले दुल्हन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. परिवार की इज्जत बचाने के लिए दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से दुल्हन की छोटी बहन से निकाह कराने का फैसला किया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसके बारे में भी ऐसी जानकारी सामने आई कि बारातघर में जमकर मारपीट हो गई.

लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने से तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस ने मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है.

दरअसल, बिथरी चैनपुर क्षेत्र के एक गांव की युवती का रिश्ता पास के गांव के एक युवक से तय हुआ था. शनिवार को नरियावल स्थित एक बारातघर में निकाह की तैयारियां चल रही थीं. दोनों परिवारों और रिश्तेदारों के बीच खुशी का माहौल था. इसी बीच शुक्रवार रात अचानक दुल्हन घर से गायब हो गई. परिजनों को पता चला कि वह अपने प्रेमी के साथ चली गई है. बताया जा रहा है कि युवती घर से जाते समय अपने साथ जेवर भी ले गई थी.

दुल्हन के फरार होने की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया. मामला दूल्हा पक्ष तक पहुंचा तो दोनों परिवारों के लोग आमने-सामने आ गए. शादी टूटने की नौबत आ गई. इसके बाद रिश्तेदारों और गांव के जिम्मेदार लोगों ने कई घंटे तक पंचायत की. काफी बातचीत और समझाने-बुझाने के बाद दोनों पक्ष इस बात पर राजी हो गए कि दुल्हन की छोटी बहन का निकाह दूल्हे से करा दिया जाए, ताकि शादी भी हो जाए और दोनों परिवारों की इज्जत बनी रहे.

तीन लोग घायल, पुलिस ने चार लोगों को लिया हिरासत में

मारपीट के दौरान शादी समारोह में शामिल होने आई दुल्हन की चचेरी बहन, उसका देवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. इनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित किया. हंगामे और मारपीट के बाद शादी पूरी तरह रद्द हो गई. बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट गई.

बिथरी चैनपुर के एसओ राजेश मिश्रा ने बताया कि जिस युवती का निकाह होना था, वह अपने प्रेमी के साथ चली गई थी. बाद में उसकी छोटी बहन से निकाह कराने की बात हुई, लेकिन उसका भी प्रेम प्रसंग सामने आने पर दोनों पक्षों में विवाद हो गया. मारपीट में दो से तीन लोग घायल हुए हैं. पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच की जा रही है.

छोटी बहन के प्रेम प्रसंग की बात सामने आते ही बिगड़ गया माहौल

शनिवार को तय समय पर बारात नरियावल के बारातघर पहुंच गई. निकाह की रस्म की तैयारी शुरू हो गई थी. इसी दौरान किसी व्यक्ति ने दूल्हा पक्ष को जानकारी दी कि जिस छोटी बहन से निकाह कराने की बात तय हुई है, उसका भी एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है और वह भी यह शादी नहीं करना चाहती.यह बात सुनते ही दूल्हा पक्ष के लोग नाराज हो गए. उन्होंने इस पर आपत्ति जताई. देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई. कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि लोग एक-दूसरे पर हमला करने लगे. बारातघर में जमकर लाठी-डंडे चले और ईंट-पत्थर भी फेंके गए. शादी का माहौल पूरी तरह तनाव और अफरा-तफरी में बदल गया.